राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 107 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,23 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

अरुसा के आईएसआई से संबंधों की होगी जांच

चंडीगढ़, (एजेंसी)। कैप्टन अमरिंदर सिंह के अलग राजनीतिक पार्टी बनाने के ऐलान के बाद से ही पंजाब कांग्रेस के नेता खुलकर कैप्टन के विरोध में आ गए हैं। पंजाब के डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कैप्टन के निजी जीवन पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि कैप्टन की महिला मित्र अरुसा आलम के साथ उनके रिश्ते और आईएसआई के संबंधों को लेकर पंजाब पुलिस जांच करेगी। पंजाब के उप-मुयमंत्री जिनके पास गृह विभाग भी है। उन्होंने कहा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह की पाकिस्तानी महिला मित्र और पाक की खुफिया एजेंसी से उनके संबंधों की जांच होगी। पंजाब के डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की पाक महिला मित्र व पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के कनेशन की जांच के लिए कार्यवाहक डीजीपी इकबाल प्रीत सहोता को कहा है। रंधावा ने कहा कि हमने वो वीडियो देखे हैं, जिसमें अरुसा आलम पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लोगों के साथ खड़ी हैं।

पीपीपी विषय पर प्रयागराज रेल मंडल में बैठक संपन्न

प्रयागराज । मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मण्डल मोहित चंद्रा की अध्यक्षता में प्रयागराज मण्डल के सकल्प सभागार में पलिक प्राइवेट पार्टनरशिप विषय पर बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीपावाव रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी संजीव गर्ग को मुय अतिथि एवं वता के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री गर्ग ने पीपीपी माडल पर किए जाने वाले कार्यों के सबन्ध में चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा की पीपीपी माडल पर कार्य कराने का मतलब यह नहीं होता की इसमें केवल प्राइवेट पार्टी का ही फायदा है, इस प्रकार की प्रणाली में दोनों पक्षों का फायदा होता है। उन्होंने आगे यह भी कहा की प्राइवेट पार्टी से किसी साईट पर कार्य लेते समय इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि, जो भी आधारभूत संरचना व अन्य कार्य कराये जाने हैं उनका पहले से ही बारीकी से अध्ययन किया गया हो।

रोहिंग्या समूहों के बीच झड़प, सात की मौत

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश के कॉस बाजार में शुक्रवार को रोहिंग्या शरणार्थियों के दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच झड़प में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। बीडीन्यूज24 ने पुलिस अधीक्षक शिहाब कैसर खान के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि उखिया शरणार्थी शिविर में तड़के 4.15 बजे गोलीबारी की घटना में सात लोगों की मौत हो गई है और कुछ घायल हो गए।
श्री खान ने बताया कि घटना के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है , वहीं मृतकों की अभी पहचान नहीं की जा सकी है। घायलों का शिविर के पास स्थित एक लीनिक में इलाज चल रहा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। शिविर में अतिरित पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस इसमें शामिल लोगों की गिरतारी के लिए छापेमारी कर रही है।

पीएम ने कहा 100 करोड़ वैक्सीन का असाधारण लक्ष्य

अमीरों को भी आम आदमी की तरह लगा टीका

नई दिल्ली,एजेंसी।

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में भारत लगातार ताकतवर होता जा रहा है। महज नौ महीने में ही देश में एक अरब से ज्यादा कोरोना टीकों का लक्ष्य हासिल हुआ है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश को संबोधित किया।

100 करोड़ टीके लगना हमारे लिए आंकड़ा नहीं है बल्कि सामर्थ्य का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश बड़े लक्ष्य तय करना और उसे हासिल करना बखूबी जानता है ,लेकिन इसके लिए हमें सतत सावधान रहने की जरूरत है। हमें अपने त्योहारों को पूरी सतर्कता के साथ ही मनाना है। हमारे देश ने एक तरफ कर्तव्य का पालन किया तो दूसरी तरफ उसे बड़ी सफलता भी मिली। भारत ने कल 100 करोड़ वैक्सीन डोज का कठिन लेकिन असाधारण लक्ष्य प्राप्त किया। इस उपलब्धि के पीछे 130 करोड़ देशवासियों की कर्तव्यशक्ति लगी है इसलिए ये सफलता हर देशवासी की सफलता है।

इटली और यूके के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

अक्टूबर के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली और ब्रिटेन दौरे पर नजर जाएंगे। पीएम मोदी को जी-20 शिखर बैठक में इटली के रोम और ब्रिटेन के ग्लासगो में जलवायु परिवर्तन पर होने वाली उच्चस्तरीय बैठक में शरीक होना है। मिली जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी 30-31 अक्टूबर को होने वाली जी-20 शिखर बैठक के लिए 29 अक्टूबर को इटली के रोम पहुंचेंगे।

मुफ्त में 100 करोड़ वैक्सीन, देश सुरक्षित

- पहले वैक्सीन भारत बाहर से मंगवाता था, लोगों ने तरह तरह के सवाल उठाए गए कि क्या भारत वैक्सीन उपलब्ध करा पाएगा, सौ करोड़ वैक्सीन इन सवालों का जवाब है।
- नए भारत की तस्वीर, जो कठिन लक्ष्य निर्धारित कर हासिल करता है।
- 100 करोड़ वैक्सीन पूरे देश की सफलता, यह देश के सामर्थ्य का प्रतिबिंब।
- वैक्सीन में वीआईपी कल्चर को दूर रखा गया, विश्व भारत की ताकत को महसूस कर रहा है।
- वैक्सीन में भी कोई भेदभाव नहीं, सभी को सामान्य नागरिक की तरह वैक्सीन लगी।
- अब देश में विश्वास, उत्साह और उमंग है, स्टार्टअप में रिकॉर्ड निवेश हो रहे हैं, गतिशक्ति से देश तेज़ी से आगे बढ़ेगा।

बिहार के राज्यपाल फागू चौहान पटना में राजभवन में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को एक स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए ।

प्रौद्योगिकी, नवाचार, निवेश से बदल रहा है कृषि क्षेत्र

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि देश में प्रौद्योगिकी, नवाचार और निवेश पर जोर देने की केंद्र सरकार की नीतियों से कृषि क्षेत्र अब बदल रहा है। किसानों-वैज्ञानिकों ने कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में भी देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है और कृषि क्षेत्र की प्रासंगिकता सिद्ध हुई है। श्री तोमर ने 'एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप' की ओर से यहां आयोजित 12वें कृषि नेतृत्व समेलन को सबोधित करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नए कृषि सुधार, एक लाख करोड़ रूपए का कृषि इंफ्रास्ट्रचर फंड जैसे अनेक ठोस कार्यक्रम हाथ में लिए हैं, ताकि किसानों की आय बढ़े व उनका जीवन स्तर ऊंचा उठ सकें। कृषि क्षेत्र के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को सतत बल मिल रहा है। केंद्र की कोशिशों के सद्परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं। समारोह में उार प्रदेश को कृषि के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार मिलने पर श्री तोमर ने कहा कि राज्य के मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही के प्रयासों से कृषि के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आया है जिसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।

मुंबई में 60 मंजिला इमारत में आग, एक की मौत

मुंबई, (एजेंसी)। महानगर के करी रोड इलाके में शुक्रवार को एक60 मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई । घटना की सूचना के बाद पहले फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां और स्थिति

बिगड़ने पर 12 और गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गई। जानकारी के अनुसार आग करी रोड इलाके के माधव पलव मार्ग पर स्थित अविघ्न पार्क इमारत के 19वें फ्लोर पर लगी और देखते ही देखते 25वीं मंजिल तक जा पहुंची। अग्निशमन विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि करी रोड पर अविघ्ना पार्क इमारत में आग लगी। उन्होंने कहा कि मौके पर दमकल की 20 गाड़ियां भेजी गई हैं। तलाश एवं बचाव कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण का पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 19वीं मंजिल पर लगी आग तेजी से फैलने लगी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। 19वीं मंजिल से धुएं का गुबार काफी दूर से देखा जा सकता है। हालात बिगड़े तो लोग जान बचाने के लिए बालकनी से भी लटके नजर आए। बालकनी से लटका एक युवक राम कुमार तिवारी 19वीं मंजिल से नीचे गिर गया, जिसकी अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

गृहमंत्री शाह का तीन दिनी कश्मीर दौरा आज से

ड्रोन, स्नाइपर्स और स्पीड बोट कर रहे सुरक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी।

गृहमंत्री अमित शाह शनिवार सुबह जम्मू-काश्मीर के तीन दिनी दौरे पर श्रीनगर पहुंचेंगे। यहां अमित शाह हाल के समय में हुई सिविलियन किलिंग के बाद उत्पन्न हुई जम्मू- कश्मीर की सुरक्षा की समीक्षा करेंगे।

शनिवार दिनभर गृहमंत्री शाह जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल, आईबी के अफसरों, सीआरपीएफ/ एनआईए के डीजी, सैन्य अफरों और जम्मू कश्मीर के डीजीपी के साथ बैठक करेंगे। सूत्रों के मुताबिक गृहमंत्री के जम्मू- कश्मीर के दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। साथ ही कई जगहों पर हाईटेक ड्रोन, स्पीड पोस्ट और स्नाइपर्स के जरिए भी निगरानी रखी जाएगी। गृहमंत्री इसी दौरान उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की मौजूदगी में बैठक में जम्मू कश्मीर के समग्र सुरक्षा परिदृश्य का जायजा लेंगे। बैठक में वह हाल ही में हुई नागरिक हत्याओं के बाद किए सुरक्षा प्रबंधो पर भी संबधित अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

एनआईए ने आठ और संदिग्ध गिरफ्तार किए - श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के छह जिलों में छापे मार कर 'आतंकवाद की साजिश' रचने के मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। श्रीनगर, कुलगाम, शोपियां, पुलवामा, अनंतनाग और बारामूला जिलों में 10 स्थानों पर तलाशी ली गई और आठ लोगों को गिरफ्तार किया।

लिमखागा दर्रे में ट्रैकिंग पर गए 17 में से 11 पर्वतारोहियों की मौत

चार बचाए गए, दो अभी भी लापता

देहरादून ■ एजेंसी

उत्तराखंड के लिमखागा दर्रे में ट्रैकिंग पर गए 11 पर्वतारोहियों की मत हो गई है। ट्रैकिंग पर कुल 11 लोगों का दल गया था, जिसमें से 4 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि दो लोग अभी भी लापता हैं। उत्तराखंड की ऊंची पहाड़ियों पर राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) द्वारा ट्रैकरों की खोज के लिए तलाश और बचाव अभियान अभी भी जारी है। एसडीआरएफ का एक दल जहां पैदल मार्ग पर

चलकर तलाशी अभियान में लगा था वहीं, दूसरा दल हेलीकॉप्टर से उनकी तलाश कर रहा था। क्षेत्र में संचार माध्यम न होने के कारण इन दलों द्वारा सैटेलाइट फोन के माध्यम से सूचनाएं दी जा रही थीं। एसडीआरएफ के वरिष्ठ अधिकारी बचाव अभियान की पल-पल की निगरानी कर रहे थे और टीमों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे।दो लापता लोगों की तलाश जारीः 17 में से दो पर्वतारोही अभी भी लापता हैं। इनकी तलाश के लिए वायुसेना का एएलएच हेलिकॉप्टर कल यानी 23 अक्टूबर को एक बार फिर तलाशी अभियान शुरू करेगा।

14 अक्टूबर को गए थे ट्रैक परः आपको बता दें कि 17 पर्वतारोही 14 अक्टूबर को उत्तरकाशी के हर्षिल से लमखागा पास हिमालय ट्रैक पर गए थे। हालांकि, इस दल के 11 सदस्य 17 अक्टूबर को बर्फबारी और मौसम खराब होने के बाद से लापता हो गए थे।

वायु सेना का कॉन्क्लेवः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- मानवता और लोकतंत्र की गरिमा के लिए लड़ा गया था 1971 का युद्ध

बेंगलुरु,एजेंसी। बेंगलुरु में स्वर्णिम विजय वर्ष के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय वायु सेना की ओर से आयोजित एक कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 1971 का युद्ध इतिहास की उन चंद लड़ाइयों में से एक है जो किसी क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए या ताकत हासिल करने के लिए नहीं लड़ा गया. इसका मुख्य उद्देश्य लोकतंत्र की गरिमा और मानवता की रक्षा करना था.

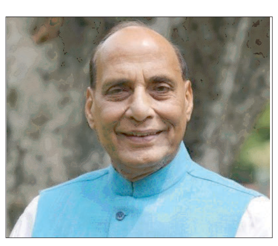

वायु सेना प्रमुख विवेक राम चौधरी ने कहा कि 1971 का युद्ध इतिहास में अब तक की सबसे छोटी सैन्य लड़ाई थी, जिसमें भारत ने सबसे तेजी से जीत दर्ज की थी. इस युद्ध में 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद किसी सेना द्वारा किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा आत्मसमर्पण है. वायु सेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय बलों ने पश्चिमी और पूर्वी मोर्चों पर बेहतरीन लड़ाई लड़ी. हवा, जमीन और समुद्र में शानदार कौशल दिखाया. भारतीय सेनाएं पाक सेना पर इस क्षेत्र में हावी रहीं. सीडीएस बिपिन रावत ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध को ऐतिहासिक घटना बताया. जिसने दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप के भूगोल को बदल दिया. मात्र 14 दिन के अंदर ही यह युद्ध सफलतापूर्वक खत्म हो गया और बांग्लादेश का उदय हुआ.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसदीय समिति की बैठक में कहा कि सरकार फिलहाल मित्र देशों को नवीनीकृत हथियारों और उपकरणों के निर्यात के लिए दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दे रही है. अधिकारियों के अनुसार, रक्षा मामलों पर संसदीय सलाहकार समिति की बैठक के दौरान मंत्री ने बेंगलुरु में कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों के पुराने हथियारों और उपकरणों को पहले रक्षा उद्योग द्वारा नवीनीकृत किया जाएगा और फिर उन्हें मित्र देशों को निर्यात किया जाएगा.

उन्होंने कहा कि सिंह ने अपने भाषण के दौरान समिति को बताया कि पुरानी रक्षा वस्तुओं का नवीनीकरण कर निर्यात के लिए 'कार्यान्वयन दिशानिर्देशों' को 'अंतिम रूप दिया जा रहा है.' अधिकारियों के अनुसार, सिंह ने समिति को बताया कि सरकार ने 2024-25 तक एयरोस्पेस और रक्षा वस्तुओं तथा सेवाओं में 35,000 करोड़ रुपये (5 बिलियन अमेरिकी डालर) के निर्यात का लक्ष्य रखा है.

सुप्रीम कोर्ट ने 39 महिला अधिकारियों को सेना में सात दिन में स्थायी कमीशन देने का दिया आदेश

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि एसएससी की 39 महिला अधिकारियों को सेना में स्थायी कमीशन देने संबंधी आदेश सात कार्य दिवसों में जारी किया जाए। साथ ही शीर्ष अदालत ने उन 25 महिला अधिकारियों का कारण सहित विवरण भी मांगा है जिन्हें स्थायी कमीशन देने पर विचार नहीं किया गया। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि 72 महिला एसएससी अधिकारियों के हर मामले की फिर से पड़ताल की गई। इनमें से एक अधिकारी ने सेना छोड़ने का फैसला किया है।

39 अधिकारियों के नाम पर स्थायी कमीशन के लिए विचार किया जा सकता है। सात को चिकित्सकीय आधार पर अयोग्य पाया गया है। 25 अधिकारियों को स्थायी कमीशन नहीं दिया जा सकता क्योंकि उनके खिलाफ अनुशासनहीनता और आदेशों की अवहेलना की प्रतिकूल सालाना गोपनीय रिपोर्ट है और उनकी संचालनात्मक रिपोर्ट भी खराब है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत में चार अवमानना याचिका दाखिल करने वाली 36 महिला अधिकारियों के समूह में से जिन्हें स्थायी कमीशन के योग्य नहीं पाया गया है, केंद्र सरकार योग्य नहीं पाई गई या स्थायी कमीशन देने से इन्कार की गई प्रत्येक अधिकारी के बारे में कारण देते हुए तालिका के रूप में विवरण दाखिल करेगी।

केंद्र ने पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि इन सभी 72 महिला एसएससी अधिकारियों को सेना में स्थायी कमीशन प्रदान करने के अयोग्य पाया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस अदालत का 25 मार्च, 2021 का अंतिम आदेश है और स्थायी कमीशन देने पर विचार इस अदालत द्वारा जारी विशेष निर्देशों के दायरे में होना चाहिए। अदालत ने कहा कि प्रतिवादियों की ओर से सुनवाई की अगली तारीख पर एक हलफनामा दाखिल किया जाएगा, जिसमें स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि संबंधित 72 अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने या नहीं देने में इस अदालत द्वारा जारी निर्देशों के इतर किसी भी कारण का संज्ञान नहीं लिया गया है। पीठ ने कहा कि एडिशनल सालिसिटर जनरल (एएसजी) संजय जैन ने बताया है कि जिन 25 महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन के योग्य नहीं पाया गया है, उनके पुरुष सहकर्मियों को भी समान आधार पर स्थायी कमीशन नहीं दिया गया है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा मंडप पर हुए हमले में शामिल था जमात नेता

ढाका ■ एजेंसी

बांग्लादेश में हाल ही में हुई हिन्दू विरोधी हिंसाओं के लिए जिम्मेदार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं जमात-ए-इस्लामी नेता कमालुद्दीन अब्बासी ने हाजीगंज में दुर्गा पूजा मंडप पर हुए हमले में खुद की भूमिका को स्वीकार कर लिया है।

अब्बासी ने गुरुवार शाम चांदपुर के वरिष्ठ न्यायिक दंडाधिकारी मोहम्मद कमालुद्दीन की अदालत में अपना गुनाह कबूल किया। चांदपुर के पुलिस अधीक्षक मिलन महमूद ने कहा कि अपने बयान में उन्होंने घटना में शामिल अन्य लोगों के नामों के बारे में बताया। हाजीगंज बाजार मंदिर पर रात आठ बजे के बाद आतंकवादियों के एक समूह ने हमला कर दिया। 13 अक्टूबर को पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया तो हमलावरों से झड़प हो गई। इस हिंसा में कुल पांच लोगों की मौत हो गई थी।

इस हमले के सीसीटीवी फुटेज में अब्बासी को हिंसा का नेतृत्व करते हुए दिखाया गया है। राष्ट्रव्यापी हिंसा के 10 मामलों में लगभग 5,000 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है और पुलिस ने अब तक 29 लोगों को गिरफ्तार किया है। महमूद के अनुसार, अन्य अपराधियों को पकड़ने के लिए अभियान जारी है।

स्वर्णिम विजय वर्ष | वायु सेना के तीन दिन के सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा

बेहतर सामंजस्य से जीती थी 1971 की लड़ाई

नई दिल्ली,एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1971 की लड़ाई में राजनैतिक व सैन्य नेतृत्व के बीच सामंजस्य व तीनों सेनाओं में परस्पर तालमेल को जीत का बड़ा कारण करार देते हुए कहा कि यह युद्ध जमीन या संसाधन पर हक जमाने के लिए नहीं बल्कि मानवता व लोकतंत्र की गरिमा की सुरक्षा के लिए लड़ा गया था।

श्री सिंह ने शुक्रवार को बेंगलुरु में स्वर्णिम विजय वर्ष के तहत वायु सेना के तीन दिन के सम्मेलन को संबोधित करते

हुए कहा कि दिनों-दिन बदलती परिस्थितियों में तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण के महत्व को समझने के लिए 1971 की लड़ाई सबसे उपयुक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध ने हमें एक साथ मिलकर सोचने, योजना बनाने, प्रशिक्षण और लड़ने का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्र का सिर इस बात के लिए हमेशा गर्व से ऊंचा रहेगा कि जब-जब भी जरूरत पड़ी है, यह सत्य, न्याय और मानवता के पक्ष में हमेशा खड़ा रहा है। तत्कालीन राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच बेहतरीन सामंजस्य का भी उल्लेख करते हुए कहा कि सेना को पूरी छूट दी गयी और सेना ने परंपरा के अनुसार देशवासियों का भरोसा पूरी तरह कायम रखा। राजनैतिक और सैन्य तालमेल के बिना यह जीत संभव नहीं थी।

राजनाथ ने बेंगलुरु में एलसीए तेजस सिम्युलेटर से भड़ी उड़ान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) का दौरा किया और शुक्रवार को यहां एलसीए तेजस सिम्युलेटर से उड़ान भरी। श्री सिंह ने ट्वीट कियाकि बेंगलुरु में वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) प्रतिष्ठान में एलसीए तेजस सिम्युलेटर में उड़ान भरने का अद्भुत अनुभव था। श्री सिंह 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए यहां आये हैं।

करवा चौथ

प्यार-विश्वास का त्योहार

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, और राजस्थान का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती(सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवाचौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी के दिन करना चाहिए। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। करवाचौथ में भी संकष्टीगणेश चतुर्थी की तरह दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवाचौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

व्रत – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करक चतुर्थी (करवा–चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अतः सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

व्रत की विधि – कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है, उस दिन प्रातः स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें।

पूजन – उस दिन भगवान शिव–पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। पूजन करने के लिए बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर उपरोक्त वर्णित सभी देवों को स्थापित करें।

नैवेद्य – शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर मोदक (लड्डू) नैवेद्य हेतु बनाएँ।

करवा – काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के करवे अथवा तांबे के बने हुए करवे।

संख्या – 10 अथवा 13 करवे अपनी सामर्थ्य अनुसार रखें।

पूजन विधि – बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव–पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें – ओम शिवायै नमः से पार्वती का, ओम नमः शिवाय से शिव का, ओम षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, ओम गणेशाय नमः से गणेश का तथा ओम सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता–पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

पूजन सामग्री

करवा चौथ एक नारी पर्व है। इस व्रत को सौभाग्यवती महिलाएं करती हैं। इस व्रत में प्रमुखतः गौरी व गणेश का पूजन किया जाता है। जिसमें पूजन सामग्री का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। आइए देखते हैं करवा चौथ से जुड़ी पूजन सामग्री की सूची – 1. चंदन 2. शहद 3. अगरबत्ती 4. पुष्प 5. कच्चा दूध 6. शक्कर 7. शुद्ध घी 8. दही 9. मिठाई 10. गंगाजल 11. कुंकू 12. अक्षत (चावल) 13. सिंदूर 14. मेहंदी 15. महावर 16. कंघा 17. बिंदी 18. चुनरी 19. चूड़ी 20. बिछुआ 21. मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन 22. दीपक 23. रुई 24. कपूर 25. गेहूं 26. शक्कर का बूरा 27. हल्दी 28. पानी का लोटा 29. गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी 30. लकड़ी का आसन 31. चलनी 32. आठ पूरियों की अठावरी 33. हलुआ 34. दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, इत्यादि।

व्रत की पूजन विधि

हिंदू सनातन पद्धति में करवा चौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्योहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। यदि दो दिन की चंद्रोदय व्यापिनी हो या दोनों ही दिन, न हो तो मातृविद्धा प्रशस्यते के अनुसार पूर्वविद्धा लेना चाहिए। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग–अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा–बहुत अंतर होता है। सार तो सभी का एक होता है पति की दीर्घायु।

करवा चौथ व्रत विधि

- करवा चौथ की आवश्यक संपूर्ण पूजन सामग्री को एकत्र करें।
- व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें– मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।
- पूरे दिन निर्जला रहें।
- दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं। चित्रित करने की कला को करवा धरना कहा जाता है।
- आठ पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं।
- पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।
- गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।
- जल से भरा हुआ लोटा रखें।
- वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।
- रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं।
- गौरी–गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें।
  नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥
- करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।
- कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।
- तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।
- रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्घ्य दें।
- इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें।

पूजन के पश्चात आस–पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

दूध का अर्घ्य चढ़ेगा चंद्र देव को

पति की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए सुहागिनें करवा चौथ का व्रत रखेंगी। इस दिन निर्जला उपवास कर शाम को चंद्र दर्शन के बाद व्रत का समापन करेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सुहाग की रक्षा और पति के स्वस्थ्य एवं दीर्घायु जीवन के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। इस दिन महिलाएं सुबह से ही व्रत रखकर संध्या के समय करवा चौथ की कथा का श्रवण करेंगी और रात में चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत तोड़ेंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं बल्कि निर्जला के रूप में ही करना अधिक लाभप्रद माना जाता है। इस व्रत में भगवान शिव–पार्वती, कार्तिकेय, चंद्रदेव और गौरा का पूजन करने का विधान है। विधिवत पूजा–अर्चना के लिए एक तांबे या मिट्टी के पात्र में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री किसी श्रेष्ठ सुहागिन महिला या अपनी सास के चरण स्पर्श कर उन्हें भेंट करना चाहिए। कथा श्रवण करने के बाद रात में जैसे ही चंद्रदेव का उदय हो उसे छलनी से देखकर दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद पहले चंद्रदेव और अपने पतिदेव की पूजा–अर्चना की जाती है। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

करवाचौथ की कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार–व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख–प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है। अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश–श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

भारत भर में मनाया जाता है करवा चौथ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चौथी तिथि को सदियों से करवा चौथ के रूप में मनाया जाता है। इसे करक, करवा, करूआ या करूवा अनेक नामों से जाना जाता है। कई स्थानों पर इसे करवा गौर के नाम से भी पहचाना जाता है।

करवा मिट्टी या धातु से बने हुए लौटे के आकर के एक पात्र को कहते हैं, जिसमें टोंटी लगी होती है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियां अपने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए रखती हैं। शास्त्रों में दो विशिष्ट संदर्भों की वजह से करवा चौथ व्रत के पुरातन स्वरूप का प्रमाण मिलता है। इस व्रत के साथ शिव–पार्वती के उल्लेख की वजह से इसके अनादिकाल का पता चलता है। संपूर्ण भारत में, विशेष रूप से उत्तर–पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत सिर्फ विवाहिता स्त्रियों के लिए है परंतु अविवाहित कन्याओं द्वारा भी इस व्रत को किए जाने के प्रमाण उपलब्ध हैं। फर्क सिर्फ इतना ही है कि सौभाग्यवती महिलाएं चंद्रदर्शन के पश्चात व्रत तोड़ती हैं और कन्याएं आसमान में पहले तारे के दर्शन के बाद व्रत समाप्त करती हैं। संभव है कि लोकोक्ति पहला तारा मैंने देखा, मेरी मर्जी पूरी इस व्रत के कारण ही शुरू हुई हो। करवा चौथ व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा की जाती है। इस व्रत के लिए चंद्रोदय के समय चतुर्थी होना जरूरी माना गया है। इस व्रत में करवे का विशेष रूप से प्रयोग होता है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और चंद्रोदय के बाद भोजन–जल ग्रहण करती हैं। करवे में पकवान भरे जाते हैं या पताशे रखे जाते हैं और उन्हें दान में दिया जाता है। कई स्थानों पर चावल से बने व्यंजन भी रखे जाते हैं। इसी दिन शाकप्रस्थपुर के वेदधर्मा ब्राह्मण की विवाहिता पुत्री वीरवती की कथा सुनाई जाती है, जिसने यह व्रत किया था और पुनः अपने पति को प्राप्त किया था। दीवारों पर या जमीन पर सूर्य, चंद्र और करवे के चित्र बनाए जाते हैं। करवे को चावल व अलग–अलग रंगों से आवृत्तियां बनाकर सजाया जाता है। करवे की टोंटी में सरकंडे की सीकें लगाई जाती हैं। टोंटीवाले करवे के लोटे का चयन संकल्प व आचमन हेतु जल निकालने के लिए किया जाना, संभव है इस व्रत के पूर्व में ही विद्यमान रहा होगा।

मनीष सिसोदिया ने भारत में 100 करोड़ कोविड टीकों की उपलब्धि पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत में कोविड-19 टीकाकरण का आंकड़ा 100 करोड़ के पार पहुंचने पर जहां केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा इसे बड़ी उपलब्धि बताकर वाहवाही लूट रही है, वहीं दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया ने इस पर सवाल उठाया है। हालांकि, इससे पहले कल दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने इस अवसर पर सभी देशवासियों, डॉक्टरों, नर्सों और फ्रंटलाइन वर्कर्स को बधाई देते हुए इसकी तारीफ की थी।

मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, 100 करोड़ वैक्सीन लगने पर फख्र करते हुए हमें यह भी याद रखना चाहिए कि अगर केंद्र सरकार समय रहते वैक्सीन के इंतजाम में लग गई होती और विदेशों में वैक्सीन भेजकर वाहवाही लूटने के लालच में न पड़ी होती तो हमारी मेडिकल टीमें छह महीने पहले ही 100 करोड़ का लक्ष्य हासिल कर चुकी होतीं।

केजरीवाल ने की फ्रंटलाइन वर्कर्स की सराहना -दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को देश में कोविड-19 वैक्सीन का आंकड़ा 100 करोड़ के पार पहुंचने पर कहा था कि एक साथ मिलकर वैश्विक महामारी को मात देंगे। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा था कि 100 करोड़ टीके लगने पर सभी देशवासियों को बधाई। जिन डॉक्टरों, नर्सों और फ्रंटलाइन वर्कर्स की वजह से यह संभव हुआ, उन्हें सलाम। हम सभी देशवासियों ने मिलकर इस बीमारी का सामना किया। हम सब मिलकर इसे हमेशा के लिए हराएंगे।

पीएम मोदी ने बताया सामूहिक भावना की जीत- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोविड-19 वैक्सीन का आंकड़ा 100 करोड़ के पार होने पर कहा था कि भारत ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने टीकाकरण की इस

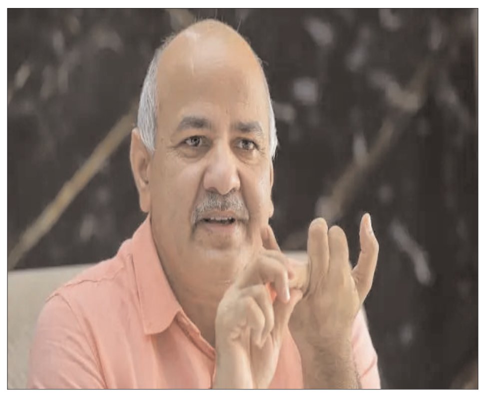

उपलब्धि को भारतीय विज्ञान, उद्यमों और 130 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भावना की जीत करार दिया। इस उपलब्धि को हासिल करने के मौके पर प्रधानमंत्री राम मनोहर लोहिया अस्पताल भी पहुंचे। उन्होंने वहां अस्पताल के अधिकारियों, कर्मियों और कुछ लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया भी उनके साथ मौजूद थे। मांडविया ने एक ट्वीट करके देश को यह उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व का परिणाम है। इस दौरान मांडविया ने लाल किले पर गीत और फिल्म जारी की। लाल किले पर देश का सबसे बड़ा खादी तिरंगा प्रदर्शित किया गया, जिसका वजन करीब 1,400 किलोग्राम है। इस तिरंगे की लंबाई 225 फुट और चौड़ाई 150 फुट है। यही तिरंगा दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर लेह में फहराया गया था। केंद्र सरकार के कई अस्पतालों पर बैनर लगाए गए और इस खास अवसर पर टीका लगवाने आए लोगों और अस्पताल कर्मियों को नाश्ता भी दिया गया।

गौरतलब है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में टीकाकरण मुहिम शुरू होने के 85 दिन बाद तक 10 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी थीं, इसके 45 और दिन बाद भारत ने 20 करोड़ का आंकड़ा छुआ और उसके 29 दिन बाद यह संख्या 30 करोड़ पहुंच गई। देश को 30 करोड़ से 40 करोड़ तक पहुंचने में 24 दिन लगे और इसके 20 और दिन बाद छह अगस्त को देश में टीकों की दी गई खुराकों की संख्या बढ़कर 50 करोड़ पहुंच गई। इसके बाद उसे 100 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने में 76 दिन लगे।

देश में मुहिम की शुरुआत 16 जनवरी को हुई थी और इसके पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगाए गए थे। इसके बाद दो फरवरी से फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण आरंभ हुआ था। टीकाकरण मुहिम का अगला चरण एक मार्च से आरंभ हुआ, जिसमें 60 साल से अधिक आयु के सभी लोगों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को टीके लगाने शुरू किए गए। देश में 45 साल से अधिक आयु के सभी लोगों का टीकाकरण एक अप्रैल से आरंभ हुआ था और 18 साल से अधिक आयु के सभी लोगों का टीकाकरण एक मई से शुरू हुआ था।

संक्षिप्त खबर

शादी के लिए दबाव बनाने पर की थी ट्रांसपोर्टर की बेटी की हत्या, पुलिस के सामने चमन ने खोला राज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट सोसाइटी में बुधवार को हुई एक ट्रांसपोर्ट की बेटी पिंकी की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस ने हत्यारोपी चमन चौहान उर्फ अर्जुन को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। युवती को अपने प्रेमी पर शादी के लिए दबाव बनाने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी है। आरोपी युवक पिंकी की भाभी का भाई है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी चमन ने बताया है कि उसके पिंकी से करीब दो साल से संबंध थे। पिंकी उससे शादी करना चाहती थी। इसके लिए वह उस पर शादी का दबाव बना रही थी, लेकिन चमन उससे शादी नहीं करना चाहता था। पिंकी से पीछा छुड़ाने को चमन ने उसे रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या की साजिश रची थी। इसके चलते वह बुधवार को पिंकी के घर पहुंचा और उसे अकेली पाकर हत्या की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। उसने बताया कि खुद को बचाने के लिए उसने ही घर में लूटपाट की थी, जिससे कि परिवार के लोगों को लगे कि यह हत्या लूटपाट के विरोध में की गई है, लेकिन सीसीटीवी फुटेज ने हत्यारोपी की पोल खोल दी। जानकारी के अनुसार, थाना सूरजपुर क्षेत्र की पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट विला सोसाइटी में बुधवार रात को पिंकी नामक युवती की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने युवती की हत्या के आरोपी चमन चौहान को गुरुवार रात को गिरफ्तार किया था। पुलिस जब हत्या में इस्तेमाल हथियार को बरामद करने के लिए आरोपी को लेकर जा रही थी, तभी वह एक दारोगा की पिस्टल छीनकर गोलियां चलाते हुए भागने लगा। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए चमन पर गोली चलाई जो उसके पैर में लगी है। इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा हरिश्चंद्र बताया की बुधवार की दोपहर ट्रांसपोर्टर कालू सिंह की बेटी पिंकी घर में अकेली थी। बुधवार की दोपहर 1:00 बजे दिल्ली के पल्ला गांव का रहने वाला आरोपी चमन उर्फ अर्जुन सोसाइटी में ट्रांसपोर्टर के घर पहुंचा था। वह युवती की भाभी का भाई है। हत्यारोपी चमन हत्या करने के बाद पिंकी का मोबाइल और घर में रखी वेलरी लेकर फरार हो गया था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन कर हत्याकांड का खुलासा किया था।

डिफेंस कॉलोनी में अवैध रूप से मंदिर निर्माण मामला, हाईकोर्ट ने की आप सरकार की खिंचाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दक्षिण दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी में अवैध रूप से बने एक मंदिर को ध्वस्त करने के वादे को पूरा नहीं करने और इसकी मंजूरी के लिए धार्मिक समिति के पास मुद्दे को भेजने के लिए दिल्ली सरकार की गुरुवार को खिंचाई की।हाईकोर्ट ने कहा कि उपरायपाल की अध्यक्षता वाली धार्मिक समिति के पास मामला तभी भेजने की जरूरत होती अगर यह बड़ा मंदिर होता, लेकिन अगर किसी ने रातों रात कुछ ईंटें रख दीं और तो इसे समिति के पास भेजने का कोई मतलब नहीं है। जस्टिस रेखा पल्ली ने कहा कि मैं देखना चाहती हूं कि इसकी संभावना क्या है? क्या किसी के द्वारा महज कुछ ईंटें रख देना धार्मिक समिति के अधिकार के दायरे में आता है, यही सवाल है। अगर बड़ा मंदिर होता तो धार्मिक समिति की जरूरत हो सकती थी, लेकिन उसका क्या अगर कोई रातों रात कुछ ईंटें रख देता है? अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले कहा था कि अधिकारी अवैध ढांचे को चार अक्टूबर को ढहाने की योजना बना रहे हैं, लेकिन अब इसे धार्मिक समिति के पास भेज दिया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि केवल कुछ ईंटें हैं और दो-तीन मूर्तियां हैं। इसने दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि उस आदेश की कॉपी पेश करें जिसके तहत धार्मिक समिति का गठन किया गया था। यह समिति धार्मिक ढांचे के रूप में किए गए अतिक्रमण को हटाने के मुद्दे को देखती है। हाईकोर्ट एक अर्जी पर सुनवाई कर रही है जिसमें एक संपत्ति के सामने इस अतिक्रमण को हटवाने की अपील की गई है। याचिकाकर्ता ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान किसी ने उसकी संपत्ति के सामने भीष्म पितामह मार्ग पर फुटपाथ पर अवैध रूप से मंदिर बना दिया।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र शरजील इमाम को झटका, साकेत कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित भड़काऊ भाषणों से जुड़े एक मामले में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र शरजील इमाम की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी है। अदालत ने 22 अक्टूबर को अपने आदेश में कहा कि 13 दिसंबर, 2019 के भाषण को सरसरी तौर पर पढ़ने से पता चलता है कि यह स्पष्ट रूप से सांप्रदायिक/विभाजनकारी तर्ज पर है। मेरे विचार में, भड़काऊ भाषणों का समाज की शांति और सद्भाव पर एक दुर्बल प्रभाव पड़ता है।

कोर्ट ने अपने आदेश में स्वामी विवेकानंद को भी उद्धृत किया, ÷हम वही हैं जो हमें हमारे विचारों ने बनाया है, इसलिए आप जो सोचते हैं, उस पर ध्यान दें, शब्द गौण हैं, विचार जीवित हैं, जो दूर तक जाते हैं÷।

गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के आरोप में गिरफ्तार शरजील इमाम ने उत्तर-पूर्वी हुई दिल्ली हिंसा से संबंधित एक मामले में एक स्थानीय अदालत से जुलाई महीने में जमानत मांगी थी। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थकों और विरोधियों के बीच हुई हिंसा के बाद गत 24 फरवरी को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा में 53 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 700 अन्य घायल हुए थे।

पाक समर्थित के नारे लगाने वाला निकला हत्यारोपी, बजरंग दल कार्यकर्ता की हत्या में जा चुका है जेल

नोएडा । पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक बजरंग दल के कार्यकर्ता की हत्या के आरोप जेल जा चुका है। पुलिस जांच के दौरान यह बात सामने आई है। वहीं, जुलूस के दौरान नारे लगाने वाले कई और संदिग्ध पुलिस के रडार पर हैं। सेक्टर-8 में मंगलवार को द-मिलादुल नबी पर मुस्लिम समुदाय के समूह ने जुलूस निकाला था। आरोप है कि इसी समूह द्वारा जुलूस के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। इससे संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इस पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बुधवार सुबह सेक्टर-20 थाने का घेराव कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस की जांच में वीडियो सही पाया गया। इसके तहत पुलिस ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के आरोप में मोहम्मद जफर, समीर अली और अली रजा को गिरफ्तार किया था। अब पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी मोहम्मद जफर बजरंग दल के कार्यकर्ता अजय चौधरी की हत्या में शामिल रहा है। सेक्टर-8 में रहने वाले अजय चौधरी की अक्टूबर 2018 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसको लेकर परिजनों ने थाने का घेराव किया था। पुलिस ने अशरफ उर्फ गटवा, मोहम्मद जफर, सरताज, रफीक, सिताबू, जीतू के खिलाफ केस दर्ज किया था। डीसीपी राजेश एस ने बताया कि इसी मामले में जफर को जेल भेजा गया था। पुलिस के रडार पर जुलूस के दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वाले कुछ और संदिग्ध हैं। उनकी पहचान करने में जुटी है। उनके खिलाफ सबूत इकट्ठा होते ही गिरफ्तारी की जाएगी। इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर गुरुवार को हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने अपर पुलिस कमिश्नर लव कुमार से मुलाकात की। पुलिस ने संबंधित वीडियो को जांच के लिए चंडीगढ़ फॉरेंसिक लैब में भेजा है। युवा क्रांति सेना के सदस्यों ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

रोडरेज में कार सवार दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मोहन गार्डन थाना पुलिस ने रोडरेज में एक टेम्पो चालक को अगवा कर उससे लूटपाट करने वाले कार सवार दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी दिनेश वशिष्ठ और पुनीत सोलंकी से पुलिस ने कार जब्त की है। पुलिस तीसरे आरोपी बृजेश की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 18 अक्तूबर को 22 वर्षीय टेक चंद ने शिकायत दी। टेक चंद ने बताया कि वह छोटा हाथी टेम्पो चलाते हैं। देर रात 12.10 बजे वह टेम्पो से सामान लेकर जा रहे थे तभी द्वारका लाल बत्ती के पास एक कार से उनके टेम्पो में मामूली टक्कर हो गई। इसके बाद कार सवार तीन युवकों ने टेम्पो को ओवरटेक कर कार में आई खरोच की भरपाई के लिए उन्हें हथियार के बल पर अपनी कार में अगवा कर लिया। इसके बाद उनका मोबाइल व अन्य सामान लूट लिया। दिल्ली गेट के पास टेक चंद किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकल भागे और पुलिस को सूचना दी। एसएचओ मोहन गार्डन, एसआई खुशीराम, एएसआई मनोज की टीम ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू की। पुलिस को सीसीटीवी में आरोपियों की कार का नंबर दिख गया।

सॉरी मैं पूछकर नहीं गया, संयुक्त किसान मोर्चा से सस्पेंड किए जाने पर बोले योगेंद्र यादव, भारतीय संस्कृति की दी दुहाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा से सस्पेंड किये जाने के बाद योगेंद्र यादव ने कहा कि सॉरी मैं पूछकर नहीं गया। योगेंद्र यादव ने भारतीय संस्कृति की दुहाई देते हुए कहा कि वो मृतक बीजेपी के कार्यकर्ता के परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना जताने गए थे और उन्होंने ऐसा सिर्फ भारतीय संस्कृति की वजह से किया। 3 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी में हुई हिंसा में बीजेपी के कार्यकर्ता सुभम मिश्रा की मौत हुई थी। योगेंद्र यादव शुभम मिश्रा के परिजनों से मिलने गए थे जिसके बाद उन्हें एक महीने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा से सस्पेंड कर दिया।

योगेंद्र यादव ने कहा कि खेद व्यक्त करते हैं कि उन्होंने इस मुलाकात से पहले एसकेएम के सदस्यों से संपर्क नहीं किया और यह दुख की बात है उनकी भावनाएं आहत हुईं। योगेंद्र यादव ने कहा, किसी भी आंदोलन में सभी की मिलीजुली राय किसी एक इंसान की राय से ऊपर होती है। मुझे माफ कर दीजिए कि मैंने अपना फैसला लेने से पहले एसकेएम के अन्य कॉमरेडों से से बात नहीं की। योगेंद्र यादव ने कहा, मैं संयुक्त किसान मोर्चा के फैसले लेने की प्रक्रिया का सम्मान करता हूं और इस प्रक्रिया के तहत सजा भुगतने के लिए भी तैयार हूं। मैं इस ऐतिसाहिक आंदोलन की सफलता के लिए और भी ज्यादा मजबूती से काम करूंगा।

यादव ने शुभम मिश्रा के परिवार से हुई अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि यह मानवता के नाते किया गया था। यह मानवता के आधार पर किया गया था और भारतीय संस्कृति के तहत किया गया था। योगेंद्र यादव ने कहा कि उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने से पहले उस हिंसा में मारे गए किसानों और पत्रकार के परिवारों से भी मुलाकात की थी। उन्होंने आशा जताई कि आम जनता की भावनाओं से किसान आंदोलन को मजबूती मिलेगी। एक वरिष्ठ किसान नेता के मुताबिक यादव को सस्पेंड करने का फैसला एसकेएम की जनरल बॉडी की एक मीटिंग में लिया गया। किसान नेता ने कहा कि वो किसान मोर्चा की बैठकों और अन्य कार्यों में सम्मिलित नहीं हो सकते हैं।

राकेश टिकैत की मौजूदगी में यूपी गेट पर प्रदर्शनकारियों की नाकेबंदी, बिना अनुमति नहीं मिल रहा प्रवेश

नई दिल्ली/गाजियाबाद। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर के चारों बार्डर (शाहजहांपुर, टीकरी, सिंघु और गाजीपुर) पर हरियाणा और पंजाब समेत कई रायों के किसानों का धरना प्रदर्शन जारी है। इस बीच शुक्रवार को भी यूपी गेट पर नाकेबंदी रही। किसान प्रदर्शनकारी अपने बनाए चेकपोस्टों पर तैनात हैं और बिना उनकी अनुमति के कोई भी आगे नहीं जा रहा है। सुरक्षा-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात है।

बना रखा है तीन चेकपोस्ट- गौरतलब है कि तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में यूपी गेट पर नवंबर, 2020 से धरना प्रदर्शन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों का राष्ट्रीय राजमार्ग-नौ, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे, सर्विस रोड की दिल्ली जाने वाली लेन और फ्लाईओवर के नीचे कब्जा है। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-नौ पर अभय खंड अंडरपास, खोड़ा और फ्लाईओवर के नीचे अपना तीन चेकपोस्ट बना रखा है। इन पर प्रदर्शनकारी तैनात रहते हैं। वह अपने पास वाकी-टाकी रखते हैं। यहां आने वालों का पहचान पत्र आदि जांच करके आगे जाने देते हैं।

बता दें कि बृहस्पतिवार को भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एक तंबू की कुछ बल्लियों और पर्दों को खोलकर दावा किया था कि उन्होंने रास्ता नहीं रोक रखा है। रास्ता दिल्ली पुलिस ने रोका है मगर हकीकत बिल्कुल इसके उल्टा है। आलम यह है कि बिना प्रदर्शनकारियों की अनुमति के कोई आवाजाही कर ही नहीं सकता है। शुक्रवार को भी ऐसा ही रहा। प्रदर्शनकारी अपने चेकपोस्ट पर खड़े रहे। उनकी अनुमति के बाद ही किसी को भी अंदर प्रवेश मिला। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदर्शन स्थल पर असामाजिक तत्वों का प्रवेश रोकने के लिए जांच-पड़ताल की जा रही है।

हो चुका है विवाद- चेकपोस्ट पर प्रदर्शनकारियों की जांच-पड़ताल के दौरान कई बार विवाद हो चुका है। सितंबर के अंतिम सप्ताह में प्रदर्शनकारियों ने एक युवक को संदिग्ध बताते हुए पकड़ लिया। बाद में वह उन्हीं का आदमी निकला। इसके पहले अगस्त के दूसरे सप्ताह में कार सवार पांच युवकों से मारपीट हुई। मार्च में पुलिसकर्मियों से झड़प हो चुकी है। मामला कौशांबी थाने तक पहुंचा।

हाईवे पर चला मंच- प्रदर्शनकारियों ने हाईवे पर ही अपना मंच बना रखा है। उसके सामने लंगर चल रहा है। शुक्रवार को चंद प्रदर्शनकारी मंच से भाषण देते रहे। मंच के सामने चंद प्रदर्शनकारी बैठे दिखे। वहीं, हाईवे, सर्विस रोड और फ्लाईओवर के नीचे तंबू सभी तंबू गड़े रहे। शौचालय, पानी की टंकी लगी रही। पानी की टंकियां खड़ी रहीं।

तिलकनगर में नेहरू युवा केंद्र की श्रमदान रैली, वालेंटियर्स ने 700 किलो प्लास्टिक एकत्रित कर लोगों को किया जागरूक

नई दिल्ली । स्वछता अभियान के तहत बुधवार को पश्चिमी जिला प्रशासन तिलक नगर स्थित चौखंडी में नेहरू युवा केंद्र के वालेंटियर्स के साथ मिलकर श्रमदान रैली व स्वछता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस मुहिम में हिस्सा लिया और इस दौरान 700 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्रित किया गया। ज्ञात हो कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देश पर प्रत्येक जिले में एक से 31 अक्टूबर तक स्वछता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत प्रत्येक जिले को नेहरू युवा केंद्र के साथ मिलकर 11 हजार किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक कचरे का संग्रहण तथा निस्तारण सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान लोगों को जिले को साफ रखने की शपथ दिलाई गई। जिला उपायुक्त कृति गर्ग ने कहा कि हम लक्ष्य के अब नजदीक है। स्थानीय लोगों का अभियान में सहयोग मिला है। पर यह सहयोग अभियान तक ही सीमित न रहे, लोग कूड़ा प्रबंधन व सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार की आदत को निजी जीवन में अपनाएं और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि बदलाव की शुरुआत हमसे होगी। वहीं, पंजाबी बाग में दक्षिणी दिल्ली नगर निगम की ओर से भारत दर्शन पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

आठ एकड़ में फैले इस पार्क में देश की ऐतिहासिक इमारतों की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। इसे आकर्षक रूप देने के लिए लाइट एंड साउंड की भी व्यवस्था की गई है। अब पार्क का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक इसका कार्य पूरा हो जाएगा। इसके बाद पार्क को जनता को समर्पित किया जाएगा। यह जानकारी पश्चिमी जोन की चेयरमैन श्वेता सैनी ने कहीं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा डेंगू व मलेरिया के बढ़ रहे मामले को देखते हुए इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। हर वार्ड में फागिंग के साथ ही जागरूकता पर जोर दिया जा रहा है। निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम हर वार्ड में जाकर बैनर व पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रही है। प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने के लिए लोगों से अपील की जा रही है।

दिवाली की सफाई कर रही युवती दूसरी मंजिल से गिरी, मौत

नई दिल्ली। शाहदरा की गीता कॉलोनी में शुक्रवार सुबह दिवाली की सफाई में जुटी एक युवती अचानक दूसरी मंजिल की बालकनी से नीचे गिर गई। 18 वर्षीय वंशिका को गंभीर घायल में नजदीक के अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक वंशिका गीता कॉलोनी के ब्लॉक नंबर-पांच में रहती थी। परिवार में पिता जगदीश अरोड़ा, मां, दादी और एक छोटी बहन है। इसी साल वंशिका ने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की थी। दिवाली को लेकर वंशिका के मकान में सफाई चल रही है। शुक्रवार सुबह 10:30 बजे वंशिका भी दूसरी मंजिल की बालकनी में स्टूल पर खड़ी होकर सफाई कर रही थी। अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह बालकनी से नीचे गली में गिर गई। परिजन तुरंत नीचे पहुंचे और खून से लथपथ वंशिका को अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

परिवार में मातम पसरा- वंशिका की मौत से परिवार में मातम पसरा है। परिजनों का कहना है कि उसे किसी ने सफाई करने के लिए नहीं बोला था। वह खुद ही हाथ बंटाने के लिए सफाई में जुट गई थी। सफाई करते हुए अचानक बालकनी में चली गई। उन्हें पता होता तो वे सफाई ही नहीं करने देते।

फ्री में चिकन न देने पर तोड़ दी टांग, सिंघु बॉर्डर से गिरतार हुआ निहंग नवीन कुमार

नई दिल्ली। सिंघु बॉर्डर पर किसानों के मंच के पास निहंग सिखों द्वारा एक युवक की नृशंस हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि आज मुफ्त चिकन न देने पर एक मजदूर से मारपीट और टांग तोड़ने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हरियाणा पुलिस ने शुक्रवार को सोनीपत में सिंघु बॉर्डर पर एक पोल्ट्री फार्म कर्मचारी के साथ मारपीट करने और उसके पैर को फ्रैक्चर करने के आरोप में एक निहंग सिख को गिरफ्तार किया है, जिसने उसे मुफ्त में चिकन देने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने कहा कि आरोपी की पहचान नवीन कुमार के रूप में हुई है और हमने शिकायत मिलने के बाद एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित की पहचान मनोज पासवान के रूप में हुई है, जो सिंघु बॉर्डर पर स्थित एक पोल्ट्री फार्म में काम करता है। आरोप है कि गुरुवार को जब वह धरनास्थल से गुजर रहा था तो आरोपी ने उसे रोका और मुफ्त में चिकन देने की मांग की। मनोज के मना करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और मनोज की टांग तोड़ दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आगे की जांच की जा रही है। बता दें कि सिंघु बॉर्डर पर शुक्रवार को पंजाब के तरनतारन जिले के निवासी लखबीर सिंह (36) की हत्या कर दी गई। उसका शव धरना-प्रदर्शन स्थल से कुछ दूरी पर बैरिकेड से लटका मिला था।

मृतक का एक हाथ कटा हुआ था। मृतक का संबंध निहंग समूह से बताया जाता है। हत्या की वजह एक धर्म ग्रंथ की बेअदबी को लेकर हुआ विवाद माना जा रहा है। इस मामले में कई गिरफ्तारियां हुई हैं और आगे की जांच जारी है। गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में केंद्र द्वारा बनाए गए तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर हजारों की संख्या में किसान दिल्ली सीमा के तीन बिंदुओ- टिकरी, सिंघू और गाजीपुर- पर गत 10 महीने से प्रदर्शन कर रहे हैं। इन किसानों में अधिकतर पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हैं।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के लिए मददगार बना वन मैप, 400 करोड़ से अधिक के 138 लापता प्लॉट खोज निकाले

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने वन मैप ग्रेटर नोएडा योजना के तहत उद्योग के आरक्षित 138 लापता (नॉट नोन) प्लॉट ढूंढ निकाले हैं। इनकी कीमत 400 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। इन भूखंडों के आवंटन से 1500 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। साथ ही 4000 से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सकता है।

प्रदेश में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहला प्राधिकरण है, जिसने वन मैप तैयार कराया है। सिंगापुर की तर्ज पर बने इस वन मैप में ग्रेटर नोएडा से जुड़ी हर एक जानकारी दी गई है। प्राधिकरण ने ट्रायल के रूप में इसका बीटा वर्जन शुरू कर दिया है, ताकि आमजन का फीडबैक मिल सके। इसका औपचारिक शुभारंभ बाद में मुख्यमंत्री करेंगे। वन मैप के जरिए प्राधिकरण को सेक्टर ईटोकेट 6 व 11 में करीब 138 औद्योगिक लापता भूखंड मिले हैं, जिनकी कीमत 400 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने उद्योगों के साथ ही संस्थागत, आईटी, रिहायश और वाणियिक विभागों को वन मैप के जरिए भूखंडों की छानबीन करने के निर्देश दिए हैं।

कोविड के दौरान तैयार हुआ वन मैप ग्रेटर नोएडा- ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण ने ग्रेटर नोएडा से जुड़ी हर जानकारी को आम जनता तक पहुंचाने के लिए वन मैप तैयार कराने का निर्णय लिया था। इसकी शुरुआत करीब डेढ़ साल पहले कोविड के दौरान हुई थी। इसे प्राधिकरण की टीम और एनआईसी ने तैयार किया है। इसे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट www.greaternoidaauthority.in से लिंक किया गया है। उस पर क्लिक करते ही सारी जानकारी आपके सामने आ जाएगी। मसलन, सिटीजन कॉलम पर क्लिक करने से ग्रेटर नोएडा स्थित बस स्टॉप और पुलिस स्टेशन, पोस्ट ऑफिस, सार्वजनिक शौचालय कहां हैं, यह सब पता चल जाएगा। सेक्टर में स्थित एक-एक प्लॉट और उसके आवंटी का ब्योरा भी आप वन मैप से देख सकते हैं।

सभी विभागों का डेटा एक जगह- वन मैप ग्रेटर नोएडा सिंगल पॉइंट डेटा कलेक्शन पर काम करता है। वन मैप ने सभी विभागों का डेटा एक जगह कर दिया है। प्राधिकरण के प्लानिंग सेल से ले-आउट लेकर ड्रोन से मिले डेटा पर प्रोजेक्ट कर दिया जाता है। वन मैप, ले-आउट और एमआईएस (मैनेजमेंट इंफोर्मेशन सिस्टम) के डेटा से मिलान करता है, जिन भूखंडों का मिलान नहीं हो पाता उनको खाली भूखंडों की सूची में डाल देते हैं, जिससे प्राधिकरण को आसानी से खाली प्लॉटों के बारे में पता चल जाता है। सीईओ या अन्य सीनियर अफसर जब चाहें इसे देख सकते हैं।

आवंटन न होने की वजह से छूट गए प्लॉट

वन मैप ग्रेटर नोएडा के जरिए जिन लापता भूखंडों का पता चला है, माना जा रहा है कि ये वे प्लॉट हैं, जो किसी स्कीम में शामिल किए गए होंगे, लेकिन वे उस स्कीम में आवंटित नहीं हुए। वे प्लॉट बच गए। ऐसे प्लॉटों को किसी दूसरी स्कीम में शामिल किया जाना चाहिए था, लेकिन संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के चले जाने से ये प्लॉट छूट गए। अब वन मैप के जरिये प्राधिकरण को ये प्लॉट मिल रहे हैं।

टीचर ने स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का हवाला देकर मांगी टीकाकरण से छूट, दिल्ली हाईकोर्ट ने आप सरकार को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें एक टीचर ने उस पर विभाग को कोविड टीकाकरण के लिए दबाव नहीं डालने देने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि वह कुछ बीमारियों से ग्रसित है और टीका लगवाने से उसका स्वास्थ्य और बिगड़ सकता है। जस्टिस रेखा पल्ली की बेंच ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब मांगा और मामले को अगले साल फरवरी में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में तैनात शिक्षक ने दिल्ली सरकार के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें 15 अक्टूबर तक सभी स्कूल कर्मियों को टीके की खुराक लेना अनिवार्य किया है और कहा गया है कि ऐसा करने में विफल रहने पर उन्हें स्कूल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही उनकी अनुपस्थिति को छुट्टी की तरह माना जाएगा। याचिकाकर्ता ने कहा

कि वह वर्ष 2018 से हाथ में मासपेशियों के संकुचन संबंधी बीमारी से पीड़ित है। इलाज कराने पर उसे एलोपैथिक इलाज से कोई सुधार नहीं हुआ और इसके बजाय उसकी हालत बिगड़ गई।

याचिकाकर्ता ने कहा कि स्कूल के प्रिंसिपल ने उसे 31 अगस्त को कारण बताओ नोटिस दिया, जिसमें अब तक टीकाकरण नहीं करवाने का कारण पूछा गया है। याचिकाकर्ता ने नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, टीकाकरण स्वैछिक है और अनिवार्य नहीं है और अधिकारियों से अनुरोध किया कि वह उसे इसके लिए मजबूर न करें।

वकील अभिमन्यु यादव के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि टीकाकरण इतिहास की सभी संभावनाओं को देखते हुए याचिकाकर्ता की समस्या को और बढ़ा देगा, जो याचिकाकर्ता के लिए जीवन के लिए खतरा होगा। यचिकाकर्ता ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का हवाला देते हुए अधिकारियों को यह निर्देश देने की मांग की है कि उन्हें टीकाकरण के लिए मजबूर न किया जाए क्योंकि इससे उनका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है और आग्रह किया कि दिल्ली सरकार के आदेश में यह निर्देश दिया गया है कि टीकाकरण नहीं करने वालों को स्कूल जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उनकी अनुपस्थिति को छुट्टी माना जाएगा, को रद्द किया जाना चाहिए।

रोहिणी में प्रतिबंधित पटाखों की बड़ी खेप पकड़ी, एक युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राजधानी के रोहिणी के सेक्टर-24 से एक 44 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 11.15 क्विंटल प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान अमित मित्तल के रूप में की गई है, जो नरेला का रहने वाला है, जिसकी मोबाइल की एक दुकान है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

डीसीपी (रोहिणी) प्रणव तायल ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर अमित मित्तल के गोदाम पर छापेमारी करने के बाद गुरुवार को उसे गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि वह पटाखों को किराये के अपने गोदाम में उतरवा रहा था। तायल ने कहा कि मित्तल पटाखों के संबंध में किसी प्रकार का दस्तावेज या वैध लाइसेंस दिखाने में विफल रहा। उन्होंने बताया कि वह रिहायशी इलाके में अपने किराए के गोदाम में प्रतिबंधित पटाखों को रख रहा था जो स्थानीय लोगों के लिए खतरनाक हो सकते थे। उन्होंने बताया कि मित्तल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि मित्तल के खिलाफ बेगमपुर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता के विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। हर साल दिवाली के आसपास प्रदूषण में वृद्धि को देखते हुए दिल्ली सरकार ने 1 अक्टूबर को पटाखों की बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। पिछले साल एनजीटी ने भी एनसीआर में इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था।

संपादकीय

सफलतापूर्वक चुनौतियों का सामना

भारत ने टीकाकरण की शुरुआत के मात्र नौ महीने बाद ही 21 अक्तूबर, 2021 को 100 करोड़ खुराक का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोविड-19 से मुकाबला करने में यह यात्रा अद्भुत रही है, विशेषकर जब हम याद करते हैं कि 2020 की शुरुआत में परिस्थितियां कैसी थीं। मानवता 100 साल बाद ऐसी वैश्विक महामारी का सामना कर रही थी। किसी को भी इस वायरस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। हम एक अज्ञात, अदृश्य दुश्मन से मुकाबला कर रहे थे। अब चिंता से शुरू हुई एक यात्रा पूरी हो चुकी है। दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के फलस्वरूप हमारा देश और मजबूत होकर उभरा है। इसे एक भगीरथ प्रयास मानना चाहिए, जिसमें समाज के कई वर्ग शामिल हुए हैं। मान लें कि प्रत्येक टीकाकरण मंर एक स्वास्थ्यकर्मी को केवल 2 मिनट का समय लगता है। इस दर से, इस उपलब्धि को हासिल करने में लगभग 41 लाख मानव दिवस या लगभग 11 हजार मानव वर्ष लगे हैं। गति और पैमाने को प्राप्त करने तथा इसे बनाए रखने के किसी भी प्रयास के लिए सभी हितधारकों का विश्वास महत्वपूर्ण है। इस अभियान की सफलता के कारणों में से एक, वैक्सीन तथा बाद की प्रक्रिया के प्रति लोगों का भरोसा है, जो अविश्वास व भय पैदा करने के प्रयासों के बावजूद कायम रहा। भारत का यह टीका अभियान उदाहरण है कि अगर यहां के नागरिक और सरकार जन-भागीदारी की भावना से लैस होकर साझा लक्ष्य के लिए मिलकर साथ आएं, तो यह देश क्या कुछ हासिल कर सकता है। जब भारत ने टीकाकरण शुरू किया, तब 130 करोड़ भारतीयों की क्षमताओं पर संदेह करने वाले कई लोग थे। कुछ लोगों ने कहा कि भारत को तीन-चार साल लगेंगे। कुछ अन्य लोगों ने कहा कि लोग टीकाकरण के लिए आगे नहीं आएंगे। कुछ ऐसे लोग भी थे, जिन्होंने कहा कि टीकाकरण प्रक्रिया घोर कुप्रबंधन और अराजकता की शिकार होगी। कुछ ने तो यहां तक कह दिया कि भारत सप्लाई चेन को व्यवस्थित नहीं कर पाएगा। लेकिन जनता कर्फ्यू और उसके बाद के लॉकडाउन की तरह, भारत के लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर उन्हें भरोसेमंद साथी बनाया जाए, तो परिणाम कितने शानदार हो सकते हैं।

जब हर कोई जिम्मेदारी उठा ले, तब कुछ भी असंभव नहीं है। हमारे स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को टीका लगाने के लिए पहाड़ियों और नदियों को पार किया। हमारे युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्यकर्मियों, सामाजिक एवं धार्मिक नेताओं को श्रेय जाता है कि टीका लेने के मामले में भारत को विकसित देशों की तुलना में बेहद कम हिचकिचाहट का सामना करना पड़ा है। अलग-अलग हितों से संबद्ध विभिन्न समूहों की ओर से टीकाकरण की प्रक्रिया में उन्हें प्राथमिकता देने का काफी दबाव था, लेकिन सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि हमारी अन्य योजनाओं की तरह ही टीकाकरण अभियान में भी कोई वीआईपी संस्कृति नहीं होगी। वर्ष 2020 की शुरुआत में जब दुनिया भर में कोविड-19 फैल रहा था, तब हमारे सामने यह बिल्कुल स्पष्ट था कि इस महामारी से अंततः टीकों की मदद से ही लड़ना होगा। हमने जल्दी तैयारी शुरू कर दी। हमने विशेषज्ञ समूहों का गठन किया और अप्रैल 2020 से ही एक रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया। आज तक कुछ चुनिंदा देशों ने ही स्वयं के टीके विकसित किए हैं। 180 से भी अधिक देश टीकों के लिए जिन उत्पादकों पर निर्भर हैं, वे बेहद सीमित संख्या में हैं। यही नहीं, जहां एक ओर, भारत ने 100 करोड़ खुराक का जादुई आंकड़ा सफलतापूर्वक पार कर लिया है, वहीं दूसरी ओर, दर्जनों देश अब भी अपने यहां टीकों की आपूर्ति की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं! जरा कल्पना कीजिए कि यदि भारत के पास अपना टीका नहीं होता, तब क्या होता? भारत अपनी इतनी विशाल आबादी के लिए पर्याप्त संख्या में टीके कैसे हासिल करता और इसमें आखिरकार कितने साल लग जाते? इसका श्रेय निश्चित रूप से भारतीय वैज्ञानिकों व उद्यमियों को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने इस बेहद कठिन चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में अपनी ओर से कोई भी कसर नहीं छोड़ी। उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत की बदौलत ही भारत टीकों के मामले में वास्तव में 'आत्मनिर्भर' है। एक ऐसे राष्ट्र में, जहां सरकारों को देश की प्रगति में बाधक माना जाता था, हमारी सरकार इसके बजाय बड़ी तेजी से देश की प्रगति सुनिश्चित करने में सदैव अत्यंत मददगार रही है। हमारी सरकार ने पहले दिन से ही टीका निर्माताओं के साथ सहभागिता की और उन्हें संस्थागत सहायता, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं आवश्यक धनराशि मुहैया कराने के साथ नियामकीय प्रक्रियाओं को काफी तेज कर हरसंभव सहयोग दिया। 'संपूर्ण सरकार' के हमारे दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप सरकार के सभी मंत्रालय अड़चन दूर करने के लिए एकजुट हो गए। भारत जैसे विशाल देश में सिर्फ उत्पादन ही काफी नहीं है। इसके लिए अंतिम व्यक्ति तक को टीका लगाने और निर्बाध 'लॉजिस्टिक्स' पर भी फोकस होना चाहिए। इसमें निहित चुनौतियों को समझने के लिए जरा इसकी कल्पना करें कि टीके की एक शीशी को आखिरकार कैसे मंजिल तक पहुंचाया जाता है। पुणे या हैदराबाद स्थित किसी दवा संयंत्र से निकली शीशी को किसी भी राज्य के हब में भेजा जाता है, जहां से इसे जिला हब तक पहुंचाया जाता है। फिर वहां से इसे टीकाकरण केंद्र पहुंचाया जाता है। इसमें विमानों की उड़ानों और ट्रेनों के जरिये हजारों यात्राएं सुनिश्चित करनी पड़ती हैं। टीकों को सुरक्षित रखने के लिए इस पूरी यात्रा के दौरान तापमान को एक खास रेंज में बनाए रखना होता है, जिसकी निगरानी केंद्रीय रूप से की जाती है। इसके लिए एक लाख से भी अधिक शीत-श्रृंखला उपकरणों का उपयोग किया गया। राज्यों को टीका वितरण कार्यक्रम की अग्रिम सूचना दी गई थी, ताकि वे अपने अभियान की बेहतर योजना बना सकें और टीके पूर्व-निर्धारित तिथि को ही उन तक सफलतापूर्वक पहुंच सकें। अतः स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह निश्चित रूप से एक अभूतपूर्व प्रयास रहा है। इन सभी प्रयासों को कोविन के एक मजबूत तकनीकी मंच से जबर्दस्त मदद मिली। इसने सुनिश्चित किया कि टीकाकरण अभियान पारदर्शी बना रहे। इसने यह भी सुनिश्चित किया कि एक गरीब मजदूर अपने गांव में पहली खुराक ले सकता है और दूसरी खुराक तय समय अंतराल पर उस शहर में ले सकता है, जहां वह काम करता है।

प्रवीण कुमार सिंह

आयातित तेल पर निर्भरता घटाएं, बढ़ती कीमत को देखते हुए बदलें जीवनशैली

बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार ऊर्जा मंत्रलय में कार्यरत नौकरशाहों का एक वर्ग मानता है कि ऊर्जा की अधिक खपत ऊंचे जीवन स्तर का द्योतक है। ऐसा कहना तार्किक नहीं है। जानकारों का कहना है कि जीवन स्तर और ऊर्जा खपत का संबंध विच्छेद हो गया है। आज हम कम ऊर्जा में उत्तम जीवन जी सकते हैं। कम ऊर्जा से बाइक, रेफ्रिजरेटर आदि उपकरणों को चलाया जा सकता है। पानी गर्म करने के लिए सोलर पैनल लगाए जा सकते हैं। सुख आम के पेड़ के नीचे निद्रा में ज्यादा और एयरकंडीशन बंद कमरे में कम भी हो सकता है। इसलिए ऊर्जा की खपत बढ़ाने के स्थान पर कम ऊर्जा में उच्च जीवन स्तर हासिल करने के उपाय खोजने चाहिए।

तेल के वैश्विक दाम वर्ष 2016 की तुलना में आज लगभग तीन गुना हो गए हैं। भारत पर तेल के ऊंचे दाम की दोहरी मार पड़ती है, क्योंकि हम अपनी खपत का 85 प्रतिशत तेल आयात करते हैं। इससे घरेलू महंगाई के साथ-साथ हमारा रुपया कमजोर होता है। हमारी आर्थिक संप्रभुता भी प्रभावित होती है। यदि किसी परिस्थिति में तेल का आयात रुक गया तो हमारी पूरी अर्थव्यवस्था ठप हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा था कि हमें आयातित तेल पर निर्भरता को घटाकर 50 प्रतिशत पर लाना होगा। इस दिशा में तेल के ऊंचे दाम मददगार हो सकते हैं। तेल के ऊंचे दाम के लाभ और हानि, दोनों हैं। पहले हानि पर विचार करें। इसकी मुख्य हानि यह होती है कि हमारा व्यापार घाटा बढ़ता है।

दरअसल, आयातित तेल का भुगतान करने के लिए हमें डालर की जरूरत पड़ती है। इन डालर को अर्जित करने के लिए हमें अपने माल जैसे लौह खनिज को औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। इससे बचने के लिए हमें सेवा क्षेत्र पर ध्यान देना चाहिए। सेवा क्षेत्र जैसे-सिनेमा, संगीत, लेखन इत्यादि में ऊर्जा की खपत कम होती है, जबकि विनिर्माण में ऊर्जा की खपत 10 गुना अधिक होती है। भारत में ऊर्जा के स्नेत कम हैं और हमारी अंग्रेजी शिक्षा की स्थिति भी बेहतर है। अतः ऐसा करने से हमारी आय बढ़ेगी और तेल की खपत कम होगी। बताते चलें कि चीन की आय में विनिर्माण का हिस्सा अधिक होने से एक किलो कच्चे तेल से चीन केवल 5.3 डालर की कीमत के माल का उत्पादन करता है। इसकी तुलना में भारत 8.2 डालर, अमेरिका 8.6 डालर और इंग्लैंड 16.2 डालर के माल का उत्पादन करते हैं। इंग्लैंड की आय में वित्तीय एवं शिक्षा सेवाओं का हिस्सा अधिक है। अतः यदि हम इंग्लैंड की तरह शिक्षा आदि सेवा क्षेत्रों में आगे बढ़ें तो एक किलो तेल से

आज की तुलना में दोगुना उत्पादन कर सकते हैं।

हमें तेल के ऊंचे दाम के महंगाई पर प्रभाव को अधिक तूल नहीं देना चाहिए, क्योंकि वर्तमान महंगाई का प्रमुख कारण अर्थव्यवस्था की अच्छी चाल है। जैसे वर्ष 2018 में देश में 3.4 प्रतिशत की दर से मूल्य वृद्धि हो रही थी, वैसे ही वर्तमान में 6.2 प्रतिशत की दर से हो रही है। इसमें 2.8 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि हुई है, लेकिन देखा जाए तो साथ-साथ अर्थव्यवस्था भी द्रुत गति से चल रही है। जीएसटी की वसूली पूर्व के लगभग एक लाख करोड़ रुपये प्रति माह की तुलना में सितंबर 2021 में बढ़कर 1.17 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यानी अर्थव्यवस्था में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हम मान सकते हैं कि इसी के समानांतर हमारे देश के नागरिकों की आय में भी वृद्धि हुई होगी। इसकी तुलना में तेल के मूल्य का महंगाई पर प्रभाव कम पड़ता है। एक अनुमान है कि पेट्रोल के दाम में 100 प्रतिशत वृद्धि होने पर देश में महंगाई एक प्रतिशत बढ़ती है। डीजल के दाम में 100 प्रतिशत वृद्धि होने पर महंगाई 2.3 प्रतिशत बढ़ती है। दोनों का सम्मिलित प्रभाव हम 1.5 प्रतिशत मान सकते हैं। इसलिए तेल के दाम में हुई 50 प्रतिशत की वृद्धि का महंगाई पर केवल 0.75 प्रतिशत प्रभाव पड़ा होगा, जबकि महंगाई 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसका अर्थ हुआ कि महंगाई अर्थव्यवस्था की बढ़ी चाल के कारण ज्यादा बढ़ी है। वर्तमान में तेल के दाम उछल रहे हैं, क्योंकि विश्व में उत्पादन बढ़ रहा है। इससे लोगों की आय भी बढ़ रही है। इस बढ़ी हुई आय से उपभोक्ता महंगा तेल खरीद सकते हैं। तेल की मूल्य वृद्धि से तीसरा प्रभाव वित्तीय घाटे पर बताया जा रहा है। यह वास्तव में भ्रामक तर्क है। अपने देश में तेल पर आयात कर प्रतिशत के रूप में लगाया जाता है। तेल पर वसूली गई एक्साइज ड्यूटी यानी उत्पाद शुल्क लगभग 36 प्रतिशत होती है। इसलिए तेल के दाम बढ़ने के साथ टैक्स की वसूली भी बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप सरकार का राजस्व भी बढ़ता है। लिहाजा वित्तीय घाटा घटता है, न कि बढ़ता है। यदि केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी की दर में कटौती करे तब सरकार का राजस्व घटेगा और वित्तीय घाटा बढ़ेगा, लेकिन यह प्रभाव एक्साइज ड्यूटी की दर में कटौती का होगा, न कि तेल के दाम में वृद्धि का। हालांकि अभी न तो सरकार एक्साइज ड्यूटी की दर में कटौती कर रही है और न ही उसको ऐसा करना चाहिए, क्योंकि तेल के ऊंचे दाम के कई लाभ भी हैं जिन पर हमें विचार करना चाहिए।

पहला लाभ यह है कि तेल के ऊंचे दाम विश्व अर्थव्यवस्था की गति को दर्शाते हैं। इससे हमारे निर्यात में भी वृद्धि होती है, जिसका हमारी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरा, तेल निर्यातक देशों में कार्यरत भारतीय श्रमिकों द्वारा रेमिटेंस अधिक भेजी जाएगी। तीसरा, तेल के ऊंचे दाम से हमारी ऊर्जा उपयोग की कुशलता में सुधार होगा। जब तेल के दाम ऊंचे होते हैं तब हम अधिक एवरेज देने वाली बाइक या कार खरीदते हैं। इससे तेल की खपत कम होती है और हमारी आर्थिक संप्रभुता के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग पर भी प्रभाव कम पड़ता है, जिसका संपूर्ण अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ता है। ध्यान दें कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तूफान, बाढ़, सूखा इत्यादि समस्याएं पैदा हो रही हैं, जो हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाती हैं।

चौथा, सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है जिससे अंततः हमारी आर्थिक संप्रभुता सुरक्षित होती है और ग्लोबल वार्मिंग कम होती है। इन लाभों को देखते हुए हमें तेल के ऊंचे दाम को सहन करना चाहिए। बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार ऊर्जा मंत्रलय में कार्यरत नौकरशाहों का एक वर्ग मानता है कि ऊर्जा की अधिक खपत ऊंचे जीवन स्तर का द्योतक है। ऐसा कहना तार्किक नहीं है। जानकारों का कहना है कि जीवन स्तर और ऊर्जा खपत का संबंध विच्छेद हो गया है। आज हम कम ऊर्जा में उत्तम जीवन जी सकते हैं। कम ऊर्जा से बाइक, रेफ्रिजरेटर आदि उपकरणों को चलाया जा सकता है। पानी गर्म करने के लिए सोलर पैनल लगाए जा सकते हैं। सुख आम के पेड़ के नीचे निद्रा में ज्यादा और एयरकंडीशन बंद कमरे में कम भी हो सकता है। इसलिए ऊर्जा की खपत बढ़ाने के स्थान पर कम ऊर्जा में उच्च जीवन स्तर हासिल करने के उपाय खोजने चाहिए। तेल के ऊंचे दाम को सहन और वहन करना चाहिए।

छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों का कर दिया रोबोटीकरण

केरल बोर्ड के छात्रों के दिल्ली विश्वविद्यालय में अत्यधिक दाखिलों के खिलाफ तमिलनाडु की एक छात्र की दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका परीक्षा व्यवस्था की फिर से पोल खोल रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित कालेजों-हिंदू कालेज, रामजस कालेज, हंसराज कालेज, किरोड़ीमल कालेज, मिरांडा हाउस और श्रीराम कालेज आफ कामर्स आदि के लोकप्रिय आनर्स पाठ्यक्रमों-राजनीति शास्त्र, समाज शास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, कामर्स आदि में प्रवेश लेने वाले छात्रों की पिछले कुछ वर्षों की सूची में केरल के छात्रों की भरमार है। हिंदू कालेज के राजनीति शास्त्र विभाग का इस वर्ष का मामला सबसे रोचक है। वहां अनारक्षित श्रेणी के अंतर्गत कुल 20 सीटों पर प्रवेश होना था, पर 26 छात्रों को प्रवेश देना पड़ा, क्योंकि सभी के 100 फीसद मार्क्?स थे। ये सभी छात्र केरल बोर्ड से 100 फीसद अंक लेकर आए हैं।

इस वर्ष केरल बोर्ड के 234 छात्रों ने 100 फीसद अंक और 18,510 छात्रों ने उच्चतम ए ग्रेड प्राप्त किया है। वहां सीबीएसई के मात्र एक छात्र ने ही 100 फीसद अंक पाए हैं। इस वर्ष केरल बोर्ड के 700 छात्रों ने बेस्ट फोर (जिसके आधार पर कट आफ निर्धारण होता है) में 100 फीसद अंकों के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन किया है। साथ ही केरल बोर्ड के कुल आवेदक 4,824 हैं, जिनमें से अधिसंख्य के अंक 98 प्रतिशत या उससे अधिक हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में यह ट्रेंड पिछले तीन-चार वर्षों में क्रमशः बढ़ता गया है। इसी के परिणामस्वरूप इस वर्ष 10 से अधिक कालेजों के 30 से अधिक पाठ्यक्रमों का कटआफ 100 फीसद हो गया है। वैसे भी 100 फीसद अंक लाने वाले इन छात्रों को विषय की बहुत कम समझ होती है। इसीलिए ये छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में जैसे-तैसे उत्तीर्ण हो पाते हैं। उपरोक्त तथ्य स्कूली शिक्षा की मूल्यांकन प्रणाली को संदिग्ध बनाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। उसमें प्रवेश लेने का अधिकार देश के प्रत्येक राज्य और बोर्ड के छात्रों को है। क्षेत्र, धर्म या बोर्ड के आधार पर किसी छात्र को उपेक्षित या वंचित नहीं किया जा सकता है, लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सच है कि किसी बोर्ड से पढ़ने या राज्य विशेष का निवासी होने का नाजायज फायदा भी किसी को नहीं मिलना चाहिए, क्योंकि इससे अन्य योग्य अभ्यर्थियों का हक छिनता है। उत्तर प्रदेश बोर्ड की सख्त मूल्यांकन प्रणाली के शिकार छात्र इसके उदाहरण हैं। वस्तुतः बेहिसाब बढ़े हुए अंक संवैधानिक दायित्वों और नौजवान पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ हैं। इससे अन्य बोर्डों में भी इसी तरह की प्रवृत्ति बढ़ेगी। वे भी अधिकाधिक अंक देकर अपने बोर्ड के छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अधिक से अधिक संख्या में प्रवेश दिलाने के आसान रास्ते पर चल पड़ेंगे। इससे शिक्षा व्यवस्था और मूल्यांकन प्रणाली धराशायी हो जाएगी। हालिया विवाद के केंद्र में भले ही केरल बोर्ड या वहां के छात्र हों, मगर करीब एक दशक से उदार मूल्यांकन और अत्यधिक अंक देने की प्रवृत्ति सीबीएसई के साथ-साथ कई अन्य बोर्डों में भी दिखी है।

यह अत्यंत चिंताजनक है। जीवन में अंकतालिका के बढ़ते महत्व ने तमाम चुनौतियां पैदा की हैं। सबसे पहले तो इसने पढ़ने-पढ़ाने का आनंद समाप्त कर दिया है। सीखने और समझने की जगह पूरा ध्यान अंक लाने पर केंद्रित हो गया है। इससे छात्रों के ऊपर अत्यंत दबाव और तनाव हावी हो गया है। बोर्ड परीक्षाओं में अगर कोई छात्र बहुत अच्छे अंक नहीं ला पाता तो उसके माता-पिता को उसका जीवन बर्बाद होने की आशंका सताने लगती है। ये अंक उन्हें न सिर्फ सफलता और संभावनाओं की राह खुलने की आश्वस्ति देते हैं, बल्कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी इजाफा करते हैं। इस अंक केंद्रित व्यवस्था में रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन और विश्लेषण क्षमता के विकास का कोई अवसर नहीं है। पूरा देश इस चूहादौड़ की चपेट में है। कोई इस कहावत को नहीं सुनना-समझना चाहता कि 'चूहादौड़ को जीतकर भी आप चूहा ही रहते हैं।' बच्चे ने कितना और कैसा ज्ञान अर्जित किया, क्या संस्कार सीखे, एक जिम्मेदार नागरिक और बेहतर मनुष्य के रूप में उसका कितना और कैसा विकास हुआ, इससे किसी को कुछ भी लेना-देना नहीं है। माता-पिता, समाज, शिक्षण संस्थान और सरकार का ध्यान और ध्येय बच्चे की अंकतालिका में अधिकाधिक अंक दर्ज कराने पर है। इससे अभिभावकों से लेकर शिक्षक, विद्यालय और स्वयं छात्र अत्यंत मुश्किल में हैं। इसलिए अवसाद आदि तमाम मानसिक विकार और आत्महत्या जैसे विचार छात्रों में लगातार बढ़ रहे हैं।

अधिकाधिक मार्क्स लाने की विकृत प्रतिस्पर्धा ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों का रोबोटीकरण कर दिया है। बोर्ड परीक्षा में सैकड़ों की संख्या में छात्र 100 फीसद अंक ला रहे हैं। 100 फीसद या उसके आसपास अंक प्राप्त करने वाले छात्र खुद की सर्वज्ञता का अहंकार पाल बैठते हैं। उनमें कुछ नया सीखने या करने की कोई चाहत नहीं बचती। इसे तत्काल दुरुस्त करने की आवश्यकता है। इसके लिए देशभर में एक स्तरीय, समावेशी और समान मूल्यांकन प्रणाली लागू करनी होगी। मूल्यांकन में सततता और समग्रता आवश्यक है। हाल में शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए केंद्रीकृत परीक्षा आयोजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इससे कुछ हद तक समस्या का समाधान होगा, मगर कोचिंग आदि की प्रवृत्ति बढ़ने की भी आशंका है।

प्रवासी मजदूरों पर हमला

जम्मू-कश्मीर में आम लोगों को निशाना बना कर किए जाने वाले आतंकी हमलों का जारी रहना गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। रविवार को कुलगाम में बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की हत्या इन आतंकी घटनाओं की ताजा कड़ी है। इससे एक दिन पहले शनिवार को ही उत्तर प्रदेश के एक कारपेंटर और बिहार के एक फेरीवाले की हत्या हुई थी। 24 घंटे में हुई इन चार हत्याओं ने घाटी में रह रहे प्रवासी मजदूरों के बीच भय का माहौल बना दिया है।

बड़ी संख्या में मजदूर अपने-अपने गांवों की ओर लौटना चाह रहे हैं। ध्यान रहे, चाहे खेतों में काम करने की बात हो या सेब को बागानों से बाजार तक पहुंचाने की या असंगठित क्षेत्रों की अन्य इकाइयों को चलाते रहने की- दूसरे राज्यों से आए प्रवासी मजदूरों की यहां प्रमुख भूमिका है। यही वजह है कि रविवार को हुए हमलों की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन युनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ने बाकायदा चेतावनी जारी करते हुए यहां रह रहे बाहरी मजदूरों से कहा कि वे जल्द से जल्द राज्य छोड़कर चले जाएं। ऐसे में बहुत मुमकिन है कि इस घबराहट को बढ़ाने के मकसद से आतंकी तत्व आने वाले दिनों में प्रवासी मजदूरों पर ऐसे और हमले करें।संभवतः इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर पुलिस अधिकारियों ने इन मजदूरों को सुरक्षा देने के मकसद से कुछ विशेष कदम उठाने की जरूरत महसूस की। लेकिन सोशल मीडिया पर यह बात इस रूप में फैली कि प्रवासी मजदूरों को पुलिस थाने और सुरक्षा बलों के केंद्रों पर लाने के आदेश जारी हुए हैं। इस कथित आदेश को लेकर फैली अफवाह ने आम मजदूरों में डर और बढ़ा दिया। यह प्रकरण सबक है कि एहतियाती कदम उठाने के मामले में भी किसी तरह की हड़बड़ी दिखाना फायदे के बदले नुकसानदेह साबित हो सकता है। एक-एक कदम फूंक-फूंक कर रखने की जरूरत है। इतना तो स्पष्ट हो ही गया है कि चाहे संगठन के जो भी नए-नए नाम आगे किए जा रहे हों, यह नई रणनीति भी उन्हीं आतंकी तत्वों की करतूत है जो अर्से से इस काम में लगे हैं।

दूसरी बात यह कि इस नई आतंकी रणनीति के मद्देनजर सुरक्षा बलों को भी अपने तौर-तरीकों में आवश्यक बदलाव करने होंगे। सबसे ज्यादा ध्यान इस बात का रखना होगा कि भूल से भी ऐसा कोई काम न हो, जिससे स्थानीय बनाम बाहरी या बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक जैसे ध्रुवीकरण को मजबूती मिले। आतंकी तत्व ऐसे किसी मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जिसका इस्तेमाल कर वे आम लोगों के बीच विभाजन को तीखा कर सकें। स्थानीय खुफिया तंत्र को मजबूत करने और आतंकी तत्वों के खिलाफ अभियान चलाते हुए भी सबसे ज्यादा जोर उनके जनविरोधी चेहरे को उजागर करने पर होना चाहिए ताकि आम लोग उसकी असलियत समझते हुए आपसी एका बनाए रखें।

आधी आबादी का आर्थिक सुदृढ़ीकरण देश के विकास की सर्वप्रमुख एवं प्राथमिक आवश्यकताओं में से एक

तमाम कानूनी और संवैधानिक प्रविधानों के बावजूद महिलाओं का संपत्ति के अधिकार से वंचित रह जाना प्रभुत्व का वह संघर्ष है, जहां संपत्ति का स्वामित्व आर्थिक अनिश्चितता को न केवल समाप्त करता है, बल्कि समाज में निर्णायक भूमिका भी प्रदान करता है और इस प्रभावशाली भूमिका को कायम रखने के लिए पुरुषसत्तात्मक व्यवस्था हरसंभव प्रयास करती है। ऐसी व्यवस्थाओं के बीच प्रधानमंत्री की महिलाओं के नाम आवास के मालिकाना अधिकार की घोषणा उन बाधाओं को पार करने का शस्त्र दे रही है, जहां महिलाओं के अधिकार छलबल से छीन लिए जाते हैं। यह तय है कि यह पहल भारत के विकास में नए अध्याय को जोड़ेगी।

बीते दिनों लखनऊ में अमृत महोत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक सुदृढ़ और अभिनव पहल करते हुए घोषणा की कि उत्तर प्रदेश के 75 जिलों के 75 हजार लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित घरों का मालिकाना अधिकार महिलाओं के नाम होगा। इस घोषणा के गहरे निहितार्थ हैं, विशेषकर उन परिस्थितियों में जब शिक्षित से लेकर अशिक्षित वर्ग महिलाओं के नाम संपत्ति नहीं करना चाहता। राजस्थान को उदाहरण के तौर पर देखें, तो अप्रैल 2021 से सितंबर 21 के मध्य खरीदी गई 2471 करोड़ की संपत्ति में से महिलाओं के नाम मात्र 16.5 प्रतिशत खरीदी गई। यह तब हुआ जब महिलाओं के नाम स्टांप ड्यूटी में एक प्रतिशत की छूट है। यही स्थिति कमोबेश देश के हर राज्य की है। यह अकाट्य सत्य है कि आधी आबादी का आर्थिक सुदृढ़ीकरण देश के विकास की सर्वप्रमुख एवं प्राथमिक आवश्यकताओं में से एक है। महिला संपत्ति अधिकार लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है, जो अंततः विकास की ओर ले जाता है। यूएन हैबिटेट के अनुसार, हर चार में से एक विकासशील देश में ऐसे कानून हैं, जो महिलाओं को संपत्ति रखने से रोकते हैं। महिलाओं के संपत्ति अधिकार इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे उन्हें आर्थिक सुरक्षा देते हैं। आर्थिक सुदृढ़ीकरण का अभाव महिलाओं के निर्णय लेने के अधिकार को सीमित करता है।

भूमि और संपत्ति का स्वामित्व विश्व के अधिकांश देशों में आर्थिक स्थिरता का सबसे मजबूत गारंटीशुदा उत्तराधिकार माना जाता है। अध्ययन बताते हैं कि जब भी महिलाओं को अधिकार दिए जाते हैं तो पूरे समुदाय को लाभ मिलता है। इन लाभों में खाद्य सुरक्षा, बच्चों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा में निवेश भी शामिल हैं। केरल में हुए एक शोध के मुताबिक 15-49 साल की वे महिलाएं, जिनके पास संपत्ति के अधिकार नहीं है, वे 49 प्रतिशत घरेलू हिंसा का शिकार हुईं, परंतु जिन महिलाओं के नाम संपत्ति थी, उनके साथ घरेलू हिंसा की दर सात प्रतिशत रही। विश्व बैंक समूह की एक रपट के अनुसार दुनिया भर में हर पांच में से दो देश महिलाओं के संपत्ति के अधिकारों को सीमित करते हैं। 19 देशों में महिलाओं को अचल संपत्ति पर समान स्वामित्व का अधिकार नहीं है और 44 देशों में पुरुषों और महिलाओं के पास संपत्ति के उत्तराधिकारी के समान अधिकार नहीं हैं।

भेदभावपूर्ण सामाजिक मानदंड और प्रथाएं महिलाओं और संपत्ति के अधिकारों के बीच सबसे मजबूत बाधाओं में से हैं। नीतियों का कमजोर क्रियान्वयन, कानून को लागू करने की अपर्याप्त क्षमता और कानूनी सेवाओं तक कम पहुंच, घरों के भीतर कानूनी समझ की कमी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समान रूप से संपत्ति के अधिकार को प्राप्त करने में एक अदृश्य, लेकिन अभेद्य दीवार का निर्माण करती है। एकता परिषद द्वारा भारत में महिलाओं के भूमि अधिकारों को लेकर किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, राज्यों के भूमि राजस्व तंत्र अर्थात प्रशासन में महिला अधिकारियों और कर्मचारियों का अनुपात औसतन 20 प्रतिशत से भी कम है। प्रशासन में महिला कर्मचारियों और अधिकारियों का अभाव कहीं न कहीं महिलाओं के संपत्ति के अधिकारों के अनुत्तरित प्रश्नों के लिए उत्तरदायी है। एक अन्य बाधा पितृसत्तात्मक व्यवस्था का वह ढांचा है, जहां यह विश्वास किया जाता है कि महिलाओं की भूमिका प्रत्यक्ष अर्थ अर्जन के साथ नहीं जुड़ी हुई है इसलिए गैर मौद्रिक योगदान की उनकी नकारात्मक भूमिका उन्हें संपत्ति प्राप्ति का अधिकारी नहीं मानती।

भारत में विवाहित महिलाओं के 22 प्रतिशत की तुलना में 66 प्रतिशत विवाहित पुरुषों के पास संपत्ति का मालिकाना अधिकार है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहां संवैधानिक प्रतिबद्धता और वैधानिक प्रविधानों के बावजूद महिलाएं अपने अधिकार से वंचित हैं। यूं तो अगस्त 2020 को सर्वोच्च न्यायालय ने हिंदू उत्तराधिकार कानून की नए सिरे से व्याख्या करते हुए उत्तराधिकार के वैधानिक प्रविधानों की परिधि में बेटी को जन्म के साथ ही पिता की संपत्ति में कानूनन अधिकारी माना है। इसके बावजूद वे अपने अधिकारों से वंचित हैं और इसका एक बहुत बड़ा कारण वह पारिवारिक एवं सामाजिक दबाव है, जहां महिलाएं स्वयं ही अपने अधिकारों को भावनात्मक कारणों से छोड़ देती हैं। यहां तक कि परिवार के पुरुष सदस्यों द्वारा निरंतर उन्हें इस बात के लिए बाध्य किया जाता है कि अगर वे संपत्ति पर अपना अधिकार मांगने के लिए कानून का सहारा लेगीं तो उन्हें पारिवारिक संबंधों को छोड़ना पड़ेगा। सामाजिक एवं मानसिक दबाव की पराकाष्ठा का स्तर दो माह पूर्व राजस्थान में घटी घटना से लगाया जा सकता है, जहां रक्षाबंधन पर बहनों से भाई के लिए पिता की संपत्ति पर अपने अधिकार का स्वैच्छिक त्याग करने की अपील तहसीलदार कार्यालय से जारी प्रेस नोट के माध्यम से की गई। तमाम कानूनी और संवैधानिक प्रविधानों के बावजूद महिलाओं का संपत्ति के अधिकार से वंचित रह जाना प्रभुत्व का वह संघर्ष है, जहां संपत्ति का स्वामित्व आर्थिक अनिश्चितता को न केवल समाप्त करता है, बल्कि समाज में निर्णायक भूमिका भी प्रदान करता है और इस प्रभावशाली भूमिका को कायम रखने के लिए पुरुषसत्तात्मक व्यवस्था हरसंभव प्रयास करती है। ऐसी व्यवस्थाओं के बीच प्रधानमंत्री की महिलाओं के नाम आवास के मालिकाना अधिकार की घोषणा उन बाधाओं को पार करने का शस्त्र दे रही है, जहां महिलाओं के अधिकार छलबल से छीन लिए जाते हैं। यह तय है कि यह पहल भारत के विकास में नए अध्याय को जोड़ेगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा पहुंचे हमीरपुर, विपक्षी दलों पर साधा निशाना, बोले- रैलियां कर लोगों को किया जा रहा भ्रमित

हमीरपुर। मुख्यालय स्थित यमुना पुल पर स्वागत के दौरान उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवादी पार्टी है और यह सबके हित में काम करती है। बोले कि विपक्षी दल केवल दुष्प्रचार कर रहे हैं। रैलियां कर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। सही मायने में किसी भी दल ने विपक्ष की भूमिका नहीं निभाई। कोरोना संकट काल में भाजपा छोड़ किसी अन्य दल ने कोई राहत कार्य नहीं किया। जबकि हमने कोरोना रोधी टीके लगाकर विश्व रिकार्ड बनाया है। वहीं गठबंधन पर बोले कि चाहे जो पार्टी मिल जाए, इस बार भी सबसे अधिक सीटें केवल भाजपा की ही आएंगी। वहीं प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उपेंद्र तिवारी के पेट्रोल संबंधी बयान पर कहा कि हमारा हो, इसके लिए हम सभी प्रयासरत हैं। इसके बाद वह सड़क मार्ग कार द्वारा राठ स्थित राजनारायण बुधौलिया की तेहरवी संस्कार में शामिल होने के लिए निकल गए। वहीं शाम चार बजे मुख्यालय स्थित सुभाष बाजार आएंगे। यहां वह भाजपा नेत्री राधा चौरसिया के बेटे की हादसे में मौत होने के बाद स्वजन को ढांढस बंधाएंगे।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की झोली में जाएंगी बनारस की दो सीटें, अजगरा व शिवपुर सीट पर सपा दावेदारी से खींचेगी हाथ

वाराणसी । पूर्वांचल में बड़ी जीत हासिल करने के लिए सपा ने बड़ा दांव खेला है। छोटे-छोटे 10 दलों को जोड़ कर चल रही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी यानी सुभासपा से गठबंधन कर पूर्वांचल में ताकत बढ़ाने का समीकरण तैयार किया है। इससे बनारस समेत आसपास के कई जिलों में सीटों पर दावेदारी का समीकरण भी बदल गया है। बनारस की बात करें तो यहां की आठ विस सीटों पर सपा की दावेदारी छह पर ही रह जाएगी, जैसी संभावना जताई जा रही है। यह दो सीटें सुभासपा की झोली में जा सकती है। इसके संकेत अब से ही मिलने लगे हैं। इसमें अजगरा विस क्षेत्र पहले से ही सुभासपा के पास है जो अब भी उसी के पास रह सकती है। इसके अलावा राजभरों की अधिक संख्या वाले विस क्षेत्र शिवपुर पर भी उसकी दावेदारी मजबूत हुई है। गठबंधन के बाद सपा दोनों सीटों पर जीत पक्की मानकर चल रही है। ऐसे ही गाजीपुर, बलिया व मऊ जिले में भी सीटों के बंटवारे का समीकरण प्रभावित हो सकता है। भले ही सपा व सुभासपा के गठबंधन की बात उजागर हो गई है लेकिन अधिकृत तौर पर घोषणा होनी शेष है। इसकी तारीख 27 अक्टूबर तय की गई है। मऊ के हलधरपुर मैदान में एक बड़ी रैली होने जा रही है। इसका आयोजन संयुक्त भागीदारी मोर्चा कर रहा है। मुख्य अतिथि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रहेंगे। सभा में गठबंधन को लेकर अधिकृत तौर पर घोषणा की जाएगी।

सुभासपा से गठबंधन के बाद बदले समीकरण में सपा के अंदर मायूसी भी देखने को मिल रही है। अजगरा विस सीट पर तो कम लेकिन शिवपुर विस सीट पर सपा के अंदर की कई मजबूत दावेदारी हो रही है। इसमें कई ऐसे सपाजन हैं जिन्होंने पांच साल से मेहनत की है। ऐसे में पार्टी के अंदर भीतरघात की आशंका भी बनी हुई है। हालांकि, पार्टी के थिंक टैंक मानते हैं कि भितरघात का फैक्टर उतना प्रभावी नहीं होगा क्योंकि ऐसे बागी मतों को उस फीसद तक प्रभावित नहीं कर सकेंगे जितना गठबंधन से सपा का जनाधार बढ़ रहा है।

यूपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का 40 फीसद आरक्षण, गोरखपुर में जश्न में केवल छह महिलाएं पहुंचीं

गोरखपुर । विधानसभा चुनाव में 40 फीसद सीटों पर आरक्षण मिलने की घोषणा के बाद कांग्रेसी बुधवार को चेतना तिराहा पर जश्न मनाने पहुंचे तो सिर्फ छह महिलाएं ही थीं। इनमें एक जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान और वृद्ध कांग्रेसी सरवरी बेगम थीं। आलम यह है कि वर्तमान में जिला कांग्रेस कमेटी में सिर्फ पांच महिलाएं ही हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा ने विधानसभा चुनाव में 40 फीसद सीटों पर महिलाओं को मैदान में उतारने की घोषणा की थी। कांग्रेसियों को हाइकमान की तरफ से निर्देश मिला कि प्रियंका वाड्रा की घोषणा को लेकर कांग्रेसी हर जिले में जश्न मनाएं। इसके बाद कांग्रेसी चेतना तिराहा पहुंचे। जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने कहा कि दूसरी पार्टियों से ज्यादा महिलाएं कांग्रेस में हैं। महिलाएं तेजी से कांग्रेस से जुड़ रही हैं। हर ब्लाक में एक महिला पदाधिकारी को भी रखा गया है। चेतना तिराहा पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं की सच्ची हितैषी है। महिलाओं को मुख्य धारा में ले आने के लिए लगातार कांग्रेस पार्टी काम कर रही है। इस दौरान महानगर अध्यक्ष आशुतोष तिवारी, प्रदेश सचिव दिलीप कुमार निषाद, स्नेहलता गौतम, सोनिया शुक्ला, प्रेमलता चतुर्वेदी, मोनिका पांडेय, दिनेश चंद्र श्रीवास्तव, जितेंद्र पांडेय, रोहन पांडेय, अनिल सोनकर, तौकीर आलम, प्रवीण पासवान, अनुराग पांडेय आदि मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेमलता चतुर्वेदी ने बुधवार को चारु चंद्रपुरी स्थित कार्यालय में बैठक कर प्रियंका वाड्रा की घोषणा पर खुशी जताई। कहा कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा महिलाओं और बेटियों में जोश का संचार करेगा।

बढ़ती उम्र के साथ समस्तीपुर जिले में लोगों को घेर रहीं हड्डी व जोड़ों की बीमारियां

समस्तीपुर । बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों व जोड़ों में कई तरह की समस्या होने लगती है। 50 साल से अधिक की उम्र के लोगों की ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी हड्डियों को कमजोर कर रही है। बिना कारण भी टूट जाती है। नशे की लत भी हड्डियों को नुकसान पहुंचा रही है। ऐसे में अगर ध्यान दिया जाए तो बुढ़ापे में हड्डियां परेशान नहीं करेंगी। प्रति वर्ष 20 अक्टूबर को विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस पर लोगों को रोकथाम, निदान और इलाज के प्रति जागरूक किया जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या को कोरोना संक्रमण और बढ़ा सकता है। खासकर बुजुर्ग लोगों के कोरोना संक्रमित होने पर उन पर ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या और बढ़ जाती है। सदर अस्पताल में रोजाना हड्डी रोग के 100 से अधिक मरीजों का उपचार किया जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि हड्डियों के कमजोर होने (ऑस्टियोपोरोसिस) के खतरे से बचा नहीं जा सकता, लेकिन इसे कम किया जा सकता है। हड्डियों के ढांचे में एक प्रोटीन का, जो जैविक होता है और दूसरा खनिज पदार्थ का, जो अजैविक होता है। जैविक हिस्सा एक जटिल जाल की तरह होता है और उसके ऊपर खनिज पदार्थ जमा होते हैं। इससे हड्डी की संरचना का निर्माण होता है। बढ़ती उम्र के साथ प्रोटीन का जैविक हिस्सा खराब जीवनशैली की वजह से धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है।

हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. डीके शर्मा कहते हैं कि बचाव को लेकर खाने में कैल्शियम और प्रोटीनयुक्त पदार्थों का सेवन करना चाहिए, वहीं प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट तक धूप में जरूर बैठें। रोज कम से कम 45 मिनट व्यायाम करना चाहिएए। सेहत को दुरुस्त रखने के लिए धूम्रपान व शराब से दूरी बनाना चाहिए। हड्डियों के कमजोर होने के खतरे से बचा नहीं जा सकता, लेकिन इसे कम किया जा सकता है। हड्डियों के ढांचे में एक प्रोटीन का, जो जैविक होता है और दूसरा खनिज पदार्थ का, जो अजैविक होता है। जैविक हिस्सा एक जटिल जाल की तरह होता है और उसके ऊपर खनिज पदार्थ जमा होते हैं। इससे हड्डी की संरचना का निर्माण होता है। बढ़ती उम्र के साथ प्रोटीन का जैविक हिस्सा खराब जीवनशैली की वजह से धीरे-धीरे कमजोर होता जाता है।

घर से सात दिनों से लापता 14 वर्षीया किशोरी का शव बरामद, रोहतास के चेनारी की घटना

चेनारी (रोहतास)। जिले के चेनारी थाना क्षेत्र के तेतरी गांव के बधार में गुरुवार को एक किशोरी का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया है। चेनारी थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया की दोपहर उनके मोबाईल पर किसी ने तेतरी बधार के कुंआ में शव होने की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने जब शव को निकलवाया तो उसकी पहचान डोईआ गांव निवासी लाल बहादुर सिंह यादव की 14 वर्षीय पुत्री के रूप में हुई। थानाध्यक्ष ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व लाल बहादुर सिंह ने थाने अपनी पुत्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अज्ञात लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। इसी बीच किशोरी का शव कुंआ से बरामद किया गया। किशोरी के गर्दन पर कटे होने का निशान भी पाया गया है। स्वजनों का कहना है कि 14 अक्टूबर को नवमी की रात सभी सदस्य खाना खाकर सो रहे थे। रात में वह घर के बाहर गई थी, स्वजनों को लगा की गांव में टीवी पर रामायण सीरियल चल रहा है, हो सकता है वहीं गई है।

बीजेपी सामाजिक प्रतिनिधि समेलन-भाजपा ने मजबूत की देश की आंतरिक तथा बाहरी सुरक्षाः सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी व्यापक तैयारी के तहत सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन का लगातार आयोजन कर रही है। लखनऊ में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के कार्य तथा वरीयताओं को गिनाया। लखनऊ के पंचायत भवन में सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने लोनिया और चौहान समाज के लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने 2014 में सबका साथ सबका विकास का मंत्र दिया था। इसका एक ही मकसद है कि हम सब एकजुट होंगे तब ही विकास का काम होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में देश की बाहरी के साथ ही आंतरिक सुरक्षा को बेहद मजबूती मिली है। कांग्रेस तो देश की कीमत पर राजनीति कर रही थी। इसी कारण आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को खतरा था। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार देश की कीमत पर राजनीति कर रही थी, देश की बाह्य और आंतरिक सुरक्षा खतरे में थी। कभी चीन तो कभी पाकिस्तान भारत की सीमाओं में घुसपैठ करता था और जब कभी इसकी आवाज़ उठती थी तो कांग्रेस नेतृत्व की सरकार कहती थी कि चुप हो जाओ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल ने तो मध्यकाल के आतंक की याद दिला दी थी। उस समय तो तहसील व थाने बिक चुके थे। हर तरफ केवल लूट मची थी। प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में मंदिरों और धर्मस्थलों पर हमले किये गए। तब तो रामभक्तों पर गोली चलाई गई और आतंकियों को माफी दी गई थी। सपा ने सबसे पहले आतंकियों के मुकदमे वापस लेने का काम किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा के शासन काल में केन्द्र से लेकर प्रदेश तक सबको बिना भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ सबको दिया जा रहा है। दूसरी पार्टियों ने तो केवल अपने परिवार का खयाल रखा था। सरकारी खजाने पर सबकी नजर थी। उन्होंने कहा कि अब तो भाजपा की सरकार है। प्रदेश में कोई गुंडा माफिया पनप नही पायेगा। आजमगढ़ में अजीत राय की वंदेमातरम कहने पर हत्या हो गई। सम्मेलन में शामिल लोगों से उन्होंने कहा कि वंदेमातरम पर रोक लगाने वालों को उखाड़ कर फेंक दो। उत्तर प्रदेश के भविष्य के लिए अच्छी सरकार जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सभी वर्ग को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। पहली बार फागु चैहान राज्यपाल बने। दारा सिंह मंत्री बने। इसके साथ तमाम ब्लाक प्रमुख बन रहे है। अब तो अलग अलग फील्ड में लोग जमे है।

समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि रामभक्तों पर गोली चलाने वालों को माफ नही करना है। भाजपा ने गुलामों के काल खंड की एक गलती का खत्म किया और अयोध्या में भव्य मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव ने तो आजमगढ़ में भी विकास नहीं किया। यह लोग तो केवल परिवार का विकास करते है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार विकास का बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर खडा कर रही है। उत्तर प्रदेश में 2022 में सबकी निगाहें होंगी। एक तरफ भारत विरोधी और दूसरी तरफ देशभक्ति वाले लोग होंगे। भारत को टुकड़े टुकड़े करने वाला समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष से मिल रहा है। इसलिए बहुत सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के समय विरोधी पार्टियों दुष्प्रचार कर रही थीं। दूसरी ओर पीएम मोदी वैक्सीन बनवा रहे थे। इसी वैक्सीन से देश बचा है। भारत में तो अमेरिका से कम मौत हुई है।

लखीमपुर खीरी हिंसा केस की एसआइटी के प्रमुख डीआईजी उपेन्द्र अग्रवाल का तबादला, छह आइपीएस का ट्रांसफर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले सरकार ने तबादलों का सिलसिला शुरू कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को देर रात छह आइपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है। बस्ती के आइजी के साथ लखीमपुर खीरी हिंसा कांड की जांच कर रही एसआइटी के मुखिया उपेन्द्र कुमार अग्रवाल का भी तबादला किया गया है।

उत्तर प्रदेश शासन में देर रात तबादलों का सिलसिला जारी है। गृह विभाग ने गुरुवार देर रात छह आइपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। डीजीपी ऑफिस में पुलिस महानिरीक्षक कानून-व्यवस्था के पद पर तैनात रहे मोदक रोजश डी राव को बस्ती रेंज का आइजी बनाया गया है। इसके साथ ही शासन ने बस्ती में आइजी के पद पर तैनात अनिल कुमार राय को पुलिस महानिरीक्षक पीएसी सेंट्रल जोन लखनऊ बनाया गया है। आईजी अयोध्या के पद पर तैनात डॉक्टर संजीव गुप्ता को पुलिस महानिरीक्षक कानून-व्यवस्था के पद पर लखनऊ भेज दिया गया है।

प्रयागराज के आइजी केपी सिंह को अयोध्या का नया आईजी बनाया गया है। गोण्डा के आइजी राकेश सिंह को प्रयागराज का नया आइजी बनाया गया है। इनके साथ ही डीजीपी मुख्यालय में तैनात पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर तैनात उपेन्द्र कुमार अग्रवाल को गोण्डा का नया डीआईजी बनाया गया है। उपेन्द्र कुमार अग्रवाल फिलहाल लखीमपुर खीरी हिंसा कांड की जांच कर रही छह सदस्यीय एसआइटी के प्रमुख हैं।

उर प्रदेश में 23 से एक तक कांग्रेस की तीन कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा, कार्यक्रम फाइनल

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में सत्तर से अस्ती के दशक में लम्बे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस एक बार फिर नए कलेवर में उत्तर प्रदेश की सत्ता में आने को आतुर है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के निर्देश पर 23 अक्टूबर यानी शनिवार से प्रदेश में तीन कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा निकाली जाएगी।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में शुक्रवार को कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पीएल पुनिया और उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कांग्रेस की तीन प्रतिज्ञा यात्रा 23 अक्टूबर से एक नवंबर तक प्रदेश में निकलेगी। पहले चरण में वाराणसी, सहारनपुर तथा बाराबंकी से कांग्रेस की प्रतिज्ञा यात्रा निकलेगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस में शुक्रवार को कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि शनिवार को पहली प्रतिज्ञा यात्रा वाराणसी से शुरू होगी जो रायबरेली में समाप्त होगी। दूसरी यात्रा बाराबंकी से शुरू होकर बुंदेलखंड में झांसी में समाप्त होगी। तीसरी यात्रा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले से आरंभ होगी और उसका समापन मथुरा में होगा। इन सभी यात्राओं का समापन एक नवंबर को होगा। कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष पीएल पुनिया ने बताया कि वाराणसी से शुरू होने वाली प्रतिज्ञा यात्रा के प्रभारी प्रमोद तिवारी, नदीम जावेद और राजेश मिश्रा होंगे। बाराबंकी से शुरू होने वाली यात्रा के प्रभारी पीएल पुनिया, नसीमुद्दीन सिद्दीकी और प्रदीप जैन आदित्य होंगे। सहारनपुर से शुरू होने वाली यात्रा के प्रभारी सलमान खुर्शीद और आचार्य प्रमोद कृष्णम होंगे।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस की चौथी प्रतिज्ञा यात्रा दीपावली के बाद शुरू होगी। पहले 31 अक्टूबर में गोरखपुर में प्रियंका गांधी वाड्रा की जनसभा होगी। कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा ने कहा कि पार्टी इन यात्राओं के जरिये अपनी प्रतिज्ञाओं के साथ पूरी वचनबद्धता से आगे बढ़ेगी।

कांग्रेस पार्टी अपने चुनाव अभियान को धार देने के लिए शनिवार से प्रदेश में प्रतिज्ञा यात्रा शुरू करेगी। शनिवार को प्रदेश के तीन अलग क्षेत्रों से प्रतिज्ञा यात्राएं निकलेंगी। इन प्रतिज्ञा यात्राओं को कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा बाराबंकी में जनसभा के बाद झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। इस मौके पर वह कांग्रेस की छह प्रतिज्ञाओं की घोषणा भी करेंगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में महिलाओं को पार्टी की ओर से 40 फीसद टिकट दिए जाने के बारे में वह पहली प्रतिज्ञा कर चुकी हैं।

कांग्रेस और नीतीश के साथ खुद को चुनौती दे बैठे हैं तेजस्वी यादव

पटना । विधानसभा उप चुनाव में राजद सिर्फ कांग्रेस और जदयू को ही चुनौती नहीं दे रहा है। दोनों सीटों पर उम्मीदवार देकर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने खुद को भी चुनौती दे दी है। उनकी चुनौती को जदयू गंभीरता से ले रहा है। पहले के उप चुनावों की तरह जदयू कामचलाऊ प्रबंधन से काम नहीं चला रहा है। कोशिश है कि पार्टी के लोग एक-एक वोटर तक पहुंचे। उन्हें सहमत कराएं कि नीतीश कुमार को उनका वोट क्यों मिलना चाहिए। राजद भी इसी अंदाज में वोटरों के बीच जा रहा है। उसके नेता-कार्यकर्ता जनता को बता रहे हैं कि नीतीश कुमार को वोट क्यों नहीं देना चाहिए।

कुशेश्वरस्थान और तारापुर में जदयू और सरकार की साख दांव पर लगी हुई है। उप चुनाव में तेजस्वी ने भी अपना बहुत कुछ दांव पर लगा दिया है। अगर वे जीत जाते हैं तो माना जाएगा कि उनके निर्णय में दूरंदेशी है। अगर ऐसा नहीं होता है तो अगले बार निर्णय लेने के समय वे कई तरह के दबाव में रहेंगे। सटीक निर्णय लेने में उन्हें कठिनाई होगी। दुस्साहसिक निर्णय के बदले प्रयोग भी कह सकते हैं।

उप चुनाव में तेजस्वी ने दो नए प्रयोग किए। पहला प्रयोग-साथी दलों के बीच सीटों के बंटवारा की प्रचलित नीति है-सिटिंग और सेकेंड के फार्मूला (जिस सीट पर जीत हुई है या उम्मीदवार दूसरे नम्बर पर रहे हैं, अगले चुनाव में उसी दल का दावा माना जाता है।) को नकार दिया है। हालांकि उस मान्य फार्मूला के बावजूद कभी-कभी सहमति के आधार पर गठबंधन के दल सीटों की अदला बदली कर लेते हैं। लेकिन, इसमें बराबरी और दोनों दलों की सहमति का ख्याल रखा जाता है। मगर, कांग्रेस के मामले में यह नहीं हुआ।

बीएसपी मुखिया मायावती का कांग्रेस पर लगातार हमला, बोलीं- बीजेपी की तरह करने लगी लोक लुभावन वादे

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती का कांग्रेस पर लगातार हमला जारी है। पंजाब तथा राजस्थान में कांग्रेस की सरकार पर सवाल उठाने के साथ ही बसपा प्रमुख मायावती ने अब कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की उत्तर प्रदेश के चुनाव को लेकर घोषणाओं पर तंज कसा है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस के चुनावी वादों पर कई सवाल उठाने के साथ जनता को इन लोक लुभावन वादों से बचने की भी सलाह दी है। मायावती ने शुक्रवार को तीन ट्वीट से कांग्रेस के साथ ही भाजपा पर हमला बोलने के साथ उनको सुझाव भी दिए हैं। मायावती के इस हमले में कांग्रेस पर अधिक ही प्रहार हैं।

मायावती ने कहा कि कांग्रेस की पंजाब तथा राजस्थान में सरकार है, लेकिन वहां पर तो यह लोग कुछ भी नहीं कर रहे हैं। वहां पर इन लोगों ने अपना सब कुछ कर दिखाया है, लेकिन प्रगति तो हुई नहीं। अब जनता इनकी बातों पर विश्वास कैसे करे। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने मायावती ने कहा कि कांग्रेस ने भी भाजपा व सपा की तरह ही अनेकों प्रकार के लोक लुभावन वादे करना शुरु कर दिया है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सक्रिय होने के प्रयास में लगी कांग्रेस आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जो वादे कर रही है, वह खोखले हैं। मायावती ने इनकी घोषणाओं पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब व राजस्थान में तो कांग्रेस की सरकार है। वहां की जनता बेहद परेशान है। अब तो यह लोग सिर्फ इतना बता दें कि क्या वां किए गए वादे आप लोगों ने पूरा कर दिया है। कांग्रेस तो अब यूपी में सरकार बनने पर छात्राओं को स्मार्टफोन व स्कूटी देने की बात कही है। भाजपा व सपा की तरह ही लोक लुभावन वादे कांग्रेस ने भी शुरु कर दिए हैं। इनकी इन पर विश्वास कौन तथा कैसे करें। मायावती ने कहा कि जनता से छल व वादाखिलाफी आदि के कारण कांग्रेस के बुरे दिन चल रहे हैं। इन्हीं कुछ खास कारणों से भाजपा के भी बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। अच्छे दिन का सपना दिखाकर लोगों पर महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी का पहाड़ तोडने् का खामियाजा तो भाजपा को भी भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस व भाजपा आदि पार्टियों के दावों व वादों के प्रति जन विश्वास की घोर कमी है।

धनबाद में काली पूजा से पहले देवी काली की मूर्ति को अंतिम रूप देते कलाकार।

खेल मंत्री उपेन्द्र तिवारी के बयान के बाद अखिलेश यादव ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर सरकार को घेरा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभार उपेन्द्र तिवारी के गुरुवार को पेट्रोल व डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर बयान पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार को घेरा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इसके साथ ही मंत्री उपेन्द्र तिवारी पर भी तंज कसा है।

योगी आदित्यनाथ सरकार में स्वतंत्र प्रभार के मंत्री उपेन्द्र तिवारी के कल के बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज उनको घेरा है। उपेन्द्र तिवारी ने पेट्रोल व डीजल की बढ़ती कीमतों के साथ ही देश की प्रति व्यक्ति आय पर जौनपुर में बयान दिया था। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उपेन्द्र तिवारी ने गुरुवार को कहा था कि देश की 95 फीसद जनता पेट्रोल-डीजल का इस्तेमाल ही नहीं करती है। खेल मंत्री के इसी बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अब मंत्री को भी पेट्रोल डीजल की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि जनता उनको पैदल कर देगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने कहा कि सच्चाई तो यह है कि उत्तर प्रदेश की 95 फीसद जनता को भाजपा की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने लखीमपुर खीरी की हिंसा तथा लोगों की गाड़ी से कुचलने से मौत पर भी सरकार की चुटकी ली।

अखिलेश यादव ने इसको लेकर एक ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के भाजपाई मंत्री जी ने कहा कि महंगे पेट्रोल से आम जनता को फर्क नहीं पड़ता क्योंकि 95 प्रतिशत जनता को पेट्रोल की जरूरत नहीं है। अब मंत्री जी को भी नहीं पड़ेगी, क्योंकि जनता उनको पैदल कर देगी। सच्चाई तो यह है कि 95 प्रतिशत जनता को भाजपा की ही कोई जरूरत नहीं है। थार में तो डीजल पड़ता है ना। गौरतलब है कि जालौन के उरई में प्रदेश सरकार के खेल मंत्री उपेन्द्र तिवारी ने बेतुका बयान देकर ईंधन की कीमतों में बढ़ोत्तरी को नकारा था।

बिहार में सोनिया का लालू यादव को बड़ा झटकाः महागठबंधन टूटा, आरजेडी से अलग हुई कांग्रेस की राह

पटना। चुनावी पैतरा कहिए या हकीकत। उपचुनाव ने महागठबंधन के दो बड़े दलों राजद और कांग्रेस को सियासी दुश्मन बना दिया है। तल्खी इतनी बढ़ गई है कि कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्तचरण दास ने शुक्रवार को ऐलान कर दिया कि भविष्य में भी अब राजद के साथ गठबंधन नहीं रहेगा। लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस की राह राजद से अलग होगी। भक?त चरण दास ने पटना पहुंचने पर कहा कि आरजेडी से कांग्रेस को कोई गठबंधन नहीं है। बता दें कि भले हीं इस टूट की आशंका पहले से थी, लेकिन कयास यह भी लगाया जा रहा

जाएगा। ऐसे में यह कांग्रेस आलाकमान सोनिया गांधी का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को बड़ा झटका माना जा रहा है।

बिहार विधानसभा उपचुनाव ही नहीं, आने वाले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस बिहार की सभी 40 सीटों पर अपने दम पर मैदान में कूदेगी। भक्तचरण दास ने यह भी जोड़ा कि बिहार में हम अब अपनी ताकत पर खड़ा होंगे और राजद से जमकर लड़ेंगे। हालांकि कांग्रेस के इस बयान को उपचुनाव में राजद पर बढ़त बनाने का प्रयास माना जा रहा है। वोट बचाने, काटने और बटोरने की

दोनों तरफ से तल्ख बयान आने लगे हैं। एक-दूसरे पर हमले में कोई कसर नहीं है, ताकि वोटरों को बताया और समझाया जा सके कि दोनों के रास्ते अब अलग हैं।

उपचुनाव की घोषणा से लेकर नामांकन वापसी की आखिरी तिथि से पहले तक माना जा रहा था कि दोनों दलों के बीच दोस्ताना संघर्ष होगा। दोनों दल के नेता दूसरे से आग्रह कर रहे थे कि आपसी तालमेल के आधार पर एक-एक सीट बांट ली जाए। सत्ता पक्ष भी इसे नूरा-कुश्ती ही बता रहा था, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव की तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे

बढ़ने लगा। राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने कांग्रेस नेताओं पर आरएसएस समर्थक होने का आरोप लगाया, जिसका उन्हें जवाब भी दिया गया। कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्त चरण ने पलटवार करने में देर नहीं की। उनका बयान आया कि उपचुनाव के नतीजे के बाद राजद का भाजपा के साथ गठबंधन हो जाएगा।

बता दें कि विधानसभा उपचुनाव को लेकर सारा बखेड़ा कुशेश्वरस्थान सीट को लेकर हुआ। कांग्रेस इसे अपनी परंपरागत सीट बता रही थी, लेकिन आरजेडी ने कांग्रेस की मांग को ठुकराते हुए दोनों सीटों पर

उम्मीदवार भी खड़े कर दिए। इसके बाद कांग्रेस ने भी दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए। तब से ही महागठबंधन में दरार पड़ गई थी। दोनों ओर से बयानबाजी की जा रही थी। अब कांग्रेस बिहार प्रभारी भक्त चरण दास ने उसपर मुहर लगा दी है।

लगा चुके आरजेडी पर बीजेपी से मिलीभगत का आरोप

भक्त चरण दास ने इससे पहले आरजेडी पर भारतीय जनता पार्टी की मिलीभगत का आरोप लगाया था। इसके बाद आरजेडी नेताओं ने उन्हें संघी कह दिया था। शुक्रवार को पटना आने पर जब भक्त चरण से

इसपर वे कुछ बयान नहीं देंगे। हां, इतना जरूर है कि बिहार में अब आरजेडी के साथ गठबंधन नहीं है। दोनों सीटों पर प्रमुखता से लड़ रहे हैं।

मालूम हो कि बिहार में कांग्रेस एवं आरजेडी का साथ करीब दशकों का है। कई बार दोनों के रास्ते अलग हुए और जुड़े। इधर जन अधिकार पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व सांसद पप्पू यादव की भक्त चरण दास से मुलाकात के बाद कांग्रेस की ओर से दावा किया गया है कि वे कांग्रेस का प्रचार करेंगे। फायरब्रांड नेता कन्हैया कुमार भी विधानसभा उपचुनाव में प्रचार के लिए बिहार आ चुके हैं। कांग्रेस को

स्वर्ग से भी बढ़कर है हमारी मातृभूमि का स्थान : डॉ. मिश्रा

आजादी के अमृत महोत्सव में पुलिस मोटर-साइकिल रैली को दिखाई हरी-झंडी

भोपाल (एजेंसी)। आजादी के अमृत महोत्सव में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राष्ट्रीय एकता दिवस मोटर-साइकिल रैली को हरी-झंडी दिखाई। इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. मिश्रा ने कहा कि हमारी मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी बढ़कर है।

हम अपनी मातृभूमि को भारत-माता कहते हैं। इस प्रकार का सम्मान संसार में जन्म-भूमि के प्रति भारत में ही दिया जाना संभव है। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। डॉ. मिश्रा और पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी ने शौर्य स्मारक की अमर जवान ज्योति और भारत-माता की प्रतिमा पर पुष्प-चक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने पुलिस जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता के प्रणेता देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की दृढ़ इच्छा-शक्ति और संकल्प के समक्ष सभी रियासतों का भारत में विलय हो गया। डॉ. मिश्रा ने रैली में शामिल जवानों से आह्वान किया कि वे शहीदों की जन्म-स्थली को भारत-माता के जयकारों से गुंजायमान करें, जिससे कि आने वाली पीढ़ियां शहीदों के समक्ष गर्व से नतमस्तक हों। उन्होंने कहा कि मोटर-साइकिल रैली देशभक्ति और देशप्रेम के लिए जन-जागरूकता का सशक्त माध्यम बनकर युवाओं में ऊर्जा का संचार करे। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर शौर्य स्मारक से पुलिस और विशेष सशस्त्र बल की सातवीं वाहिनी के 33 जवानों की मोटर-साइकिल रैली को रवाना किया। रैली प्रदेश में उन समस्त स्थलों पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित करेगी, जहां के वीर सपूतों ने देश की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। यह रैली 1760 किलोमीटर की यात्रा कर 31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस पर भोपाल लौटेगी।

आजादी के अमृत महोत्सव पर शुक्रवार को गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राजधानी भोपाल में पुलिस जवानों की मोटर-साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कांग्रेस के लुटेरे पहरेदारों ने किया प्रदेश का सर्वनाश : तोमर

रैगांव में किसान सम्मेलन में बोले केंद्रीय मंत्री

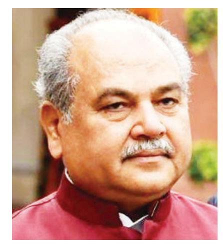

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के अंदर 2003 से पहले कांग्रेस की सरकार थी। इनकी सरकार में घोर अंधकार था, पानी का संकट था, सड़कें थी नहीं। कांग्रेस के इन लुटेरे पहरेदारों ने प्रदेश का सर्वनाश करके रख दिया, लेकिन 2003 से 2018 तक भाजपा ने प्रदेश के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

कांग्रेस के शासनकाल में प्रदेश में 7 लाख हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई होती थी, लेकिन भाजपा ने इसे 47 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा दिया है। यह बात केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने रैगांव विधानसभा में विजय संकल्प सभा एवं किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले उन्होंने सतना भाजपा कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली।

अब लोग मध्यप्रदेश की खेती किसानी देखने आते हैं: केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पानी और बिजली ने किसानों को कभी आगे नहीं बढ़ने दिया। किसान डीजल इंजन चलाकर अपने खेतों में पानी देता था। पहले खेती की बात होती थी तो लोग कहते थे कि पंजाब, हरियाणा जाकर खेती देखो। वहां का किसान कितना सक्षम है, लेकिन अब लोग कहते हैं कि खेती किसानी मध्यप्रदेश की देखनी चाहिए। यहां के किसान खेती-किसानी में नए -नए प्रयोग कर रहे हैं, नई -नई फसलें उगाकर अपनी आय को दोगुना कर रहे हैं। यह आमूलचूल परिवर्तन भाजपा की सरकार की ईमानदारी, उसकी दृष्टि, संवेदनशीलता का परिणाम है।

संक्षिप्त समाचार

सहायक लेखापाल सुरेश केवट निलंबित

भोपाल । किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल द्वारा देवास कलेक्टर को कार्रवाई संबंधी दिये निर्देशों के पालन में सहकारी संस्था अजनास के सहायक लेखापाल सुरेश केवट को निलंबित कर दिया गया है। मंत्री श्री पटेल के बुधवार को अजनास भ्रमण के दौरान खाद वितरण में अनियमितता की शिकायतें कृषकों द्वारा की गई थीं। मंत्री श्री पटेल ने कलेक्टर को दूरभाष पर एसडीएम खातेगांव की निगरानी में खाद वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं कृषकों में असंतोष के जिम्मेदार कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिये थे। संजय चतुर प्रशासक वृहत्ताकार सहकारी संस्था मर्यादित अजनास जिला देवास द्वारा शुक्रवार को सुरेश केवट का निलंबन आदेश जारी कर दिया गया है, जो तत्काल प्रभाव से प्रभावशील है। निलंबन अवधि में सुरेश केवट को नियमानुसार 50 प्रतिशत वेतन भत्तों की पात्रता होगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर राजधानी में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल । सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म-तिथि को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा और निर्वाचन वाले जिलो को छोड़कर सभी जिला मुख्यालय पर राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी। एकता, अखंडता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने राज्य पुलिस, वर्दीधारी बलों और अन्य एजेंसियों द्वारा मार्च पास्ट का किया जाएगा। भोपाल के राज्य स्तरीय और सभी जिलों के कार्यक्रम में साइकिल और मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी। कार्यक्रम का प्रसारण वेबकास्ट पर होगा, जिससे सभी आमजन देख सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने के संबंध में निर्देश संबंधित संभाग आयुक्त और जिलों के कलेक्टर को दिए हैं।

उपचुनाव वाले क्षेत्रों में 30 अक्टूबर को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

भोपाल। राज्य शासन ने प्रदेश के विधानसभा एवं संसदीय क्षेत्र के उप-चुनाव के लिए मतदान के दिन 30 अक्टूबर शनिवार को सामान्य एवं सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों पृथ्वीपुर, रैगांव अजा, जोबट अजजा एवं खण्डवा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के तहत देवास जिले की बागली, बुरहानपुर जिले की नेपानगर, बुरहानपुर, खरगौन जिले की भीकनगांव, बड़वाहा, खण्डवा जिले की मांधता, खण्डवा एवं पंधाना में 30 अक्टूबर को सामान्य एवं सार्वजनिक अवकाश का दिन होगा।

कल सरकारी भवनों में संयुक्त राष्ट्र का ध्वज भी फहराया जाएगा

भोपाल । प्रदेश में संयुक्त राष्ट्र दिवस समारोह 24 अक्टूबर, को मनाया जाएगा। इस दिन राजधानी के सभी सरकारी भवनों में जहां राष्ट्रीय ध्वज नियमित रूप से फहराया जाता है उनमें राष्ट्रीय ध्वज के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का ध्वज भी फहराया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र संघ का ध्वज राजभवन, विधानसभा भवन एंव उच्च न्यायालय के भवनों पर नहीं फहराया जाएगा। जिला मुख्यालयों पर जहां संयुक्त राष्ट्र संघ का ध्वज उपलब्ध होगा, वहां राष्ट्रीय ध्वज के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ का ध्वज महत्वपूर्ण सरकारी भवनों पर फहराया जाएगा।

सीएस की अध्यक्षता में डिस्ट्रीब्यूशन रिफॉर्म्स कमेटी का गठन

भोपाल । विद्युत मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सुधारों से जुड़े परिणाम आधारित वितरण क्षेत्र योजना के लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में डिस्ट्रीब्यूशन रिफॉर्म्स कमेटी का गठन किया है। प्रबंध संचालक एमपी पावर मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड को समिति का संयोजक बनाया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव पर्यावरण, प्रमुख सचिव वित्त, वन, ऊर्जा,राजस्व, पंचायत तथा नगरीय विकास एवं आवास सदस्य बनाये गये हैं। समिति राज्य स्तर पर योजना की प्रगति की समीक्षा करेगी। साथ ही मंत्रि-परिषद के अनुमोदन के लिए कार्ययोजना संबंधी अनुशंसा करेगी। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा गठित मॉनिटरिंग कमेटी के अनुमोदन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर अनुशंसा प्रस्तुत करेगी। समिति परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के साथ ही गुणवत्ता की समीक्षा भी करेगी।

मुख्यमंत्री ने पृथ्वीपुर के दिगौड़ा में जनता से की वादाखिलाफी का कमलनाथ से मांगा हिसाब

कमलनाथ ने पूरे मध्यप्रदेश को छलने और ठगने का काम किया : शिवराज

भोपाल (एजेंसी)। कमलनाथ ने 15 महीने मुख्यमंत्री रहते हुए मध्यप्रदेश को बर्बाद कर दिया था। चारों तरफ तबाही थी। जितनी योजनाएं हमने गरीबों के लिए चलाई थी, उन सभी योजनाओं को कांग्रेस ने बंद कर दिया था। चुनाव के समय कमलनाथ गरजते हुए कहते थे कि चिंता मत करना 10 दिन में सबका कर्जा माफकर दूंगा, लेकिन सत्ता हासिल होते ही अपने वचन से मुकर गए। बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने का वचन भूल गए। कमलनाथ ने पूरे मध्यप्रदेश को छलने और ठगने का काम किया। यह बात मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने पृथ्वीपुर विधानसभा के दिगौड़ा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। सभा में मुख्यमंत्री ने पार्टी के प्रत्याशी शिशुपाल यादव को जिताने की अपील भी की।

गरीबों की जिंदगी बदलने के लिए मुख्यमंत्री बना हूं: श्री चौहान ने कहा कि मैं इसलिए मुख्यमंत्री नहीं बना कि सत्ता के सिहांसन पर बैठकर सब कुछ भूल जाउं। मैं जनता की जिंदगी बदलने के लिए मुख्यमंत्री बना हूं। भांजे, भांजियों का भविष्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री बना हूं। उन्होंने कहा कि जनता को उनका अधिकार मिले, इसके लिए मैं चौथी बार मुख्यमंत्री हूं।

कांग्रेसी रोजाना करते हैं मेरी शिकायत: मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा कि मामा जो कहता है उसे पूरा करता है। पिछली बार आया था तो तहसील बनाने का आर्डर साथ लेकर आया था। इस बार भी इस क्षेत्र के विकास को लेकर जो काम है वह सब पूरे करेंगे। कांग्रेसी मुझसे परेशान हैं। वे रोज मेरी शिकायत चुनाव आयोग में करते हैं, लेकिन मैं विकास के कामों में पीछे नहीं हटूंगा।

कमलनाथ बताएं उन्होंने किसानों की फसल बीमा की राशि क्यों नहीं दी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कमलनाथ से 15 महीने की कांग्रेस सरकार का एक के बाद एक हिसाब मांगा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने 2200 करोड़ रूपए की फसल बीमा की प्रीमियम राशि जमा नहीं की, इसलिए किसानों को फसल बीमा का पैसा नहीं मिला। हमने सरकार बनते ही सबसे पहले बीमा कंपनियों को 2200 करोड़ रूपए जमा करके किसानों को 3100 करोड़ रूपए देने का काम किया। कमलनाथ बताएं कि उन्होंने फसल बीमा की राशि किसानों तक क्यों नहीं पहुंचने दी, उन्होंने प्रीमियम का पैसा क्यों जमा नहीं किया, उन्होंने कहा कि हमारी आत्मा किसानों के लिए धड़कती है, इसलिए हमारी सरकार बनते ही हमने किसानों के हित में तत्काल निर्णय लिए। वहीं कमलनाथ जब मुख्यमंत्री बने तो किसानों को भूल गए।

कमल को वोट देकर बदलें पृथ्वीपुर की किस्मत

मुख्यमंत्री ने कहा कि पृथ्वीपुर की किस्मत बदले इसके लिए भारतीय जनता पार्टी और कमल के निशान को वोट दें। आप दो साल शिशुपाल यादव को दें वे दिन रात मेहनत करेंगे, उनके साथ प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री, भाजपा और पूरी सरकार है। उन्होंने कहा कि आप भाजपा को जिताएं। पृथ्वीपुर की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम हम करेंगे। इस अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग, सुरेश राहटखेड़ा, पार्टी प्रत्याशी डॉ. शिशुपाल यादव, प्रदेश मंत्री ललिता यादव, पूर्व मंत्री इमरती देवी सहित जनप्रतिनिधिगण एवं पार्टी नेता मंचासीन थे।

18 वर्ष के मुख्यमंत्री का आज भी चुनावी सभाओं में विकास के लिए दो वर्ष और मांगना शर्मनाक

भोपाल (एजेंसी)। 18 वर्ष के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह आज चुनावी सभाओं में जनता से विकास के लिए 2 वर्ष और मांग रहे हैं, विकास के लिए 18 वर्ष कम होते हैं क्या, जिनको विकास करना हो वह तो 15 माह में ही विकास का इतिहास लिख देते हैं और जिन्होंने 18 वर्ष तक विकास नहीं किया, उनसे आगे उम्मीद कैसे की जा सकती है। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा पृथ्वीपुर क्षेत्र में चुनावी सभाओं में दिए गए संबोधन पर कहीं। उन्होंने आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि इससे शर्मनाक और कुछ नहीं हो सकता।

कमलनाथ ने कहा कि 18 वर्ष आपने किया क्या, विकास तो किया नहीं, सिर्फ झूठ बोलकर, झूठी घोषणाएं कर, झूठे नारियल फोड़कर जनता को गुमराह किया और हर चुनाव में विकास के लिए अगले 5 साल मांगने लग जाते हैं, अब 2 वर्ष बचे हैं तो 2 वर्ष और मांग रहे हैं लेकिन जनता आपको पहचान चुकी है, पूरे 18 वर्ष दे चुकी है, अब आपको वो एक दिन भी देना नहीं चाहती है। आपने आज सभाओं में ठीक कहा कि यह चुनाव बदलाव का चुनाव है 2 नवंबर के बाद बदलाव होना तय है। बड़ा आश्चर्य लगा यह सुनकर कि आप आज जनता से कह रहे थे कि मैं झूठ नहीं बोलता, आज फिर झूठ शर्मा गया, जो व्यक्ति सुबह से रात तक सिर्फ झूठ ही बोलता है, वह कितनी साफगोई से कह रहा है कि मैं झूठ नहीं बोलता, शिवराज जी आपको तो यह बोलना चाहिए कि मैं कभी सच नहीं बोलता। नाथ ने कहा कि शिवराज जी यदि आपने प्रदेश में विकास किया होता तो आज आपको मंचों से जनता को गुमराह करने के लिए, झूठी घोषणाएं, झूठे वादों की नोटंकियां नहीं करना पड़ती। जनता तो खुद आपका विकास देखकर आपको घर बैठे ही चुनाव जीता देती। नाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर पलटवार करतें हुए प्रदेश के किसानों की कर्जमाफी, खाद बीज और फसल खराब होने पर मुआवजा न मिलने की बात कही।

राजस्व एवं परिवहन मंत्री ने किया भाजपा प्रत्याशी के लिए जनसंपर्क

भोपाल, (एजेंसी)। भाजपा विकास की विचारधारा रखने वाली पार्टी है, जिसका मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को लाभ पहुंचाना है। संवेदनाओं से भरी हुई योजनाओं के साथ हर वर्ग के व्यक्ति का विकास करना भाजपा का मुख्य उद्देश्य है। यह बात राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अलीराजपुर की विधानसभा जोबट में उदयगढ़ मंडल के हाट बाजार में भाजपा प्रत्याशी सुलोचना रावत के पक्ष में जनसंपर्क करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियां सिर्फ चुनाव के समय नजर आती हैं, लेकिन भाजपा के प्रत्याशी हमेशा जनता की समस्याएं सुनते हैं और जनता के बीच रहते हैं इसलिए अपने विकास के लिए और हर वर्ग के विकास के लिए वोट करें। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी सुलोचना रावत के पक्ष में जनसंपर्क कर लोगों से भारी मतों से पार्टी को जिताने की अपील की। मंत्री श्री राजपूत के साथ में मौजूद मंडल अध्यक्ष राजू मुवेल, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर नामदेव प्रबंधन समिति का कार्य संभालने के लिए चुनाव प्रचार में शामिल रहे।

भाजपा ने चुनाव आयोग से की शिकायत शराब बांट रही कांग्रेस, धमकी दे रहे अपराधी

सिंह के नेतृत्व में आयोग से मिला एक प्रतिनिधिमंडल

भोपाल (एजेंसी)। पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी नितेंद्रसिंह और उनके समर्थकों द्वारा शराब व पैसे बांटकर मतदाताओं को बरगलाने और हत्या के अभियुक्त जिलाबदर अपराधी द्वारा मतदाताओं को धमकी देने की शिकायत भाजपा ने निर्वाचन आयोग से की है। पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री एवं पार्टी की चुनाव प्रबंध समिति के प्रदेश संयोजक भूपेंद्रसिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को मुख्यनिर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में शिकायत पेश कर कार्रवाई की मांग की।

शिकायत में कहा गया है कि कांग्रेस प्रत्याशी नितेंद्रसिंह तथा उनके समर्थक कार्यकर्ता लोगों को शराब एवं पैसे बांटकर प्रलोभन दे रहे हैं, जो आचार संहिता का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन है। वहीं, जिलाबदर अपराधी यशपालसिंह मतदाताओं को धमका रहा है साथ ही उन पर कांग्रेस के पक्ष में मतदान के लिए दबाव डाल रहा है। यशपालसिंह को वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व मंत्री सुनील नायक की हत्या के मामले में सजा हो चुकी है। पार्टी द्वारा निर्वाचन आयोग से मांग की गई है कि कांग्रेस प्रत्याशी एवं नेताओं के खिलाफआचार संहिता के उल्लंघन की दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा मतदाताओं को धमकाने वाले यशपालसिंह को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

खंडवा और जोबट में बड़ी जनसभाओं को संबोधित करेंगे सिंधिया

भोपाल, (एजेंसी)। भाजपा चुनाव प्रबंध समिति के संयोजक एवं नगरीय विकास तथा आवास मंत्रीभूपेंद्र सिंह ने बताया कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री दो से तीन दिन का समय उपचुनाव के लिए देंगे। श्री सिंधिया 24 तथा 25 अक्टूबर को खंडवा और जोबट में बड़ी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। श्री सिंह शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उपचुनाव को लेकर भाजपा ने 29 अक्टूबर तक का कैलेंडर तय कर दिया है। शुक्रवार से 24 अक्टूबर तक पेज प्रमुखों का सम्मेलन तथा प्रशिक्षण हो रहा है। वहीं 25 एवं 26 अक्टूबर को प्रत्येक बूथ पर महा जनसंपर्क अभियान होगा। 27 अक्टूबर को सभी बूथ पर विजय संपर्क अभियान होगा। 28 एवं 29 अक्टूबर को भाजपा कार्यकर्ता चलो घर-घर दीप जलाएं, कमल का फूल खिलाएं के संकल्प के साथ घर -घर जाकर जनसंपर्क करेंगे।

गृहमंत्री शाह को दी शुभकामनाएं : इस मौके पर नगरीय विकास तथा आवास मंत्री श्री सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए भाजपा की इस विजय यात्रा को सफलता दिलाई। गृह मंत्री के तौर पर श्री शाह ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 तथा अनुच्छेद 35-ए को हटाने के ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।

सीएम हेल्पलाइन में परिवहन विभाग तीसरी बार सर्वोच्च स्थान पर

भोपाल, (एजेंसी)। सीएम हेल्पलाइन द्वारा बुधवार को जारी ग्रेडिंग में परिवहन विभाग ने पुनः बाजी मारकर लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है। परिवहन आयुक्त मुकेश जैन द्वारा लगातार सीएम हेल्पलाइन के तहत विभागीय लंबित प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित कर समस्त परिवहन अधिकारियों को शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही प्रत्येक मंगलवार को जन सुनवाई अंतर्गत उक्त प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकरण करने के लिए भी निर्देशित किया गया। परिणाम स्वरूप लगभग 45 जिलों द्वारा बेहतर प्रदर्शन किया गया।

परिवहन मंत्री राजपूत एवं आयुक्त जैन ने दी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई

सीएम हेल्पलाइन द्वारा जारी ग्रेडिंग में परिवहन विभाग ने लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जिसके लिए परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत एवं परिवहन आयुक्त, मुकेश जैन द्वारा समस्त् परिवहन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

भारत में पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन लॉजिस्टिक्स देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में होगा स्थापित

लॉजिस्टिक्स सेक्टर कांउसिल से हुआ अनुबंध

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन लॉजिस्टिक्स स्थापित किया जा रही है। यह सेंटर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में स्थापित होगा। इसके अंतर्गत देवी अहिल्या विवि और भारत सरकार की स्वायत्य संस्था लॉजिस्टिक्स सेंटर काउंसिल के मध्य दो मेमोरंडम ऑफ एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर हुए है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र में लॉजिस्टिक्स के कोर्स शुरू होने से प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। भौगोलिक दृष्टि से मप्र केंद्र में स्थित होने से औद्योगिक दृष्टिकोण से भी यह प्रयास उद्योगों को जोड़ने में सफल होगा। यह सेंटर देश में पहली बार खुलने जा रहा है। लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल कांउसिल की हर राज्य में एक सेंटर देने की योजना है।इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में स्थापित होने वाले पहले सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन लॉजिस्टिक्स में बी-ई एवं बीटेक के अंतिम वर्ष में लॉजिस्टिक्स में स्पेशलाइजेशन (60 सीट) एवं इंडस्ट्री अप्रेंटीशिप प्रोग्राम तथा लॉजिस्टिक्स एवं डाटा साइंस में दो वर्षीय एमएस प्रोग्राम(30 सीट), लॉजिस्टिक्स सेक्टर कांउसिल की सहभागिता से प्रारंभ होगी। विश्वविद्यालय में लगभग पांच हजार युवाओं को लॉजिस्टिक्स स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को बुलाया जाएगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने किया सोन चिरैया आजीविका उत्सव का शुभारंभ

अब सोन चिरैया ब्रॉण्ड के नाम से जाने जाएंगे स्व-सहायता समूहों के उत्पाद

भोपाल (एजेंसी)। दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को सोन चिरैया ब्रॉण्ड के नाम से जाना जाएगा। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने यह बात शिवाजी नगर में महिला हाट-बाजार में राज्य-स्तरीय सोन चिरैया आजीविका उत्सव-2021 के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को सोन चिरैया ब्रॉण्ड के नाम से प्रदेश और देश में नई पहचान मिलेगी। आजीविका उत्सव 31 अक्टूबर तक चलेगा।

राज्य-स्तरीय उत्सव में प्रदेश के 24 नगरीय निकायों के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों जैसे सजावटी सामान, जरदोरी के आयटम, आर्गनिक उत्पाद, जूट के उत्पाद, ज्वेलरी, गिफ्ट आयटम, अगरबत्ती, अचार, बड़ी-पापड़, मसाले और खिलौने आदि का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। उत्सव में महिलाओं द्वारा रंगोली, चित्रकला, मेहंदी, गायन आदि कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। उत्सव में स्ट्रीट वेण्डर्स द्वारा तैयार किए गए स्वच्छ एवं स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ विक्रय के लिए उपलब्ध हैं। नगरीय विकास मंत्री श्री सिंह ने कहा कि आज जहां पर आजीविका उत्सव आयोजित किया गया है, यह जगह हाट-बाजार के लिए आरक्षित रहेगी। यहां पर स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को विक्रय के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

शहरों में बनेंगे हाट-बाजार

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के विक्रय के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए सभी शहरों में हाट-बाजार बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के उत्पादों के लिए मार्केट उपलब्ध करवाना हम सबकी जिम्मेदारी है। श्री सिंह ने कहा कि राज्य-स्तरीय उत्सव में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित जो सामग्री रखी गई है, वह गुणवत्तापूर्ण है और कम कीमत पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि अभी प्रदेश के नगरीय निकायों में 35 हजार स्व-सहायता समूह हैं, जिनमें 3 लाख 50 हजार महिलाएं जुड़ी हुई हैं। श्री सिंह ने कहा कि बहनों को आत्म-निर्भर बनाने के लिए अधिक से अधिक स्व-सहायता समूह बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का देश को आत्म-निर्भर बनाने का संकल्प है। यह उत्सव उसी दिशा में एक कदम है। श्री सिंह ने सभी स्टॉलों में जाकर स्व-सहायता समूह के सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों का अवलोकन किया और सदस्यों से समूह की गतिविधियों तथा उन्हें होने वाले लाभ के बारे में जानकारी ली। आयुक्त नगरपालिक निगम भोपाल केवीएस चौधरी ने सोन चिरैया आजीविका उत्सव के आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी। इस दौरान नगर निगम भोपाल के पूर्व अध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान सहित अन्य जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तापसी पन्नू

के बारे में कंटेस्टेंट ने अमिताभ बच्चन से पूछीअंदर की बात, इधर-उधर देखने लगे बिग बी

कौन बनेगा करोड़पति में कंटेस्टेंट और अमिताभ बच्चन के बीच मजेदार बातचीत सामने आती रहती है। अब सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन ने गेम शो का एक मजेदार प्रोमो रिलीज किया है। इसमें छतरपुर के कंटेस्टेंट साहिल ने अमिताभ बच्चन से तापसी पन्नू के बारे में ऐसे सवाल पूछे कि वह हंसने के सिवाय कुछ नहीं कर सके। साहिल ने अपने फेवरिट ऐक्टर और ऐक्ट्रेस का नाम बताया।

अमिताभ बच्चन के सामने इस बार हॉट सीट पर मध्य प्रदेश छतरपुर के साहिल अहिरवाल को बैठने का मौका मिला। वीडियो में साहिल अपनी जिंदगी के बारे में बताते हैं। वह बताते हैं कि उनके पिता सिक्योरिटी गार्ड हैं और काफी मुश्किल से गुजारा होता है। साहिल ने बताया कि उनके पिता की सैलरी सिर्फ 15 हजार रुपये है लेकिन वह हमेशा ईमानदारी से काम करने की सीख देते हैं।

इसके बाद साहिल बताते हैं कि वह आईएएस अफसर बनना चाहते हैं। अमिताभ बच्चन उनसे उनका फेवरिट आर्टिस्ट पूछते हैं। इस पर साहिल सलमान खान का नाम लेते हैं।

वहीं फेवरिट ऐक्ट्रेस के तापसी पन्नू को बताते हैं। इसके बाद साहिल बताते हैं कि तापसी उनकी क्रश, प्यार और सब कुछ हैं। इसके बाद वह अमिताभ बच्चन से पूछते हैं, सर वो इतना ज्यादा फिट रहती हैं तो ऐसा क्या है? आप अंदर की बात जानते होंगे। अमिताभ बच्चन दूसरी तरफ देखने लगते हैं। साहिल फिर पूछते हैं कि उनको खाने में क्या पसंद है?साहिल के सवाल यहीं नहीं खत्म होते। वह बिग बी से पूछते हैं कि आपने तापसी मैम को पिंक में बचाया था और बदला में फंसा दिया। ये केमिस्ट्री क्या है? अगर फंसाना ही था तो बचाना नहीं था।

30-35 की उम्र में मर जाओगी... गौहर खान की कुंडली देख प्रोड्यूसर ने की थी शॉकिंग भविष्यवाणी

गौहर खान हाल ही में विक्रांत मेस्सी और कृति खरबंदा की फिल्म 14 फेरे में नजर आई थीं। अपनी बेबाकी के लिए अकसर चर्चाओं में रहने वाली गौहर खान ने हाल ही में एक प्रोड्यूसर के बारे ऐसा खुलासा किया है, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। गौहर ने बताया कि किस तरह इस प्रोड्यूसर ने उनकी कुंडली मांगी और इसके बाद कुछ ऐसा कहा कि उनके होश उड़ गए। इस प्रोड्यूसर ने गौहर को बताया कि वो कब मरने वाली हैं।

गौहर खान ने इंडस्ट्री के एक प्रोड्यूसर से जुड़ा ये अजीबो-गरीब वाकये का खुलासा अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में किया है। उन्होंने लल्लनटॉप को बताया कि ये उन दिनों की बात है जब उनके करियर की शुरुआत हुई थी। उन्होंने बताया ये प्रोड्यूसर उन्हें लॉन्च करने जा रहा था। गौहर खान ने कहा- ये सच है, जब मैंने किसी भी फिल्म और झलक दिखला जा में भी काम नहीं किया था ये वाकया तब हुआ था। ये सब एक फिल्म के लिए नहीं था वो मुझे लॉन्च करने जा रहे थे या ऐसा ही कुछ था।

गौहर ने आगे बताया- वो उन प्रोड्यूसर्स में थे जिन्होंने एक बड़ी फिल्म की थी, मेरा मतलब नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली फिल्म से है लेकिन मैं उनका नाम नहीं लूंगी। वो एक प्रोडक्शन हाउस चला रहे थे। उन्होंने मुझसे मेरे जन्म की तारीख, समय, दिन और जगह के बारे में पूछा। फिर 15 दिनों बाद बुलाया... बड़ी गंभीरता से उन्होंने मुझे बिठाया और कहा तुम्हारा तो कुछ होने नहीं वाला है, तुम फिल्में मत करो। छोड़ दो ये सपना, कुछ बिजनेस कर लो। तुम 30-35 की उम्र में मर जाओगी। प्रोड्यूसर का कहना था गौहर को एक अजीब बीमारी होगी। इस पर गौहर हंसी और उनसे कहा- देखना मुझे।

शर्लिन चोपड़ा पर राज कुंद्रा ने किया 50 करोड़ रुपये का मानहानि का केस, कहा- शिल्पा शेट्टी को फोन कर बोली थीं...

शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा ने- शर्लिन चोपड़ा पर 50 करोड़ का मानहानि का केस कर दिया है। राज कुंद्रा की पोर्न केस में गिरफ्तारी के बाद शर्लिन चोपड़ा अपने बयानों के चलते सुर्खियों में रहीं। उन्होंने राज कुंद्रा पर जबरदस्ती करने तक का आरोप लगाया था। इन सबके बाद शिल्पा और राज के वकील ने शर्लिन को वॉर्निंग दी थी, जिसके बाद शर्लिन ने शिल्पा और राज कुंद्रा पर मानसिक और सेक्शुअल हैरासमेंट की शिकायत दर्ज करवा दी थी। अब इसके जवाब में राज और शिल्पा ने उन पर मानहानि का केस कर दिया है।

पोर्न केस के बीच शर्लिन चोपड़ा और राज कुंद्रा के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। इंडियाटुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, कुंद्रा कपल ने शर्लिन पर मानहानि का 50 करोड़ रुपये का केस कर दिया है। उनके ऑफिशियल स्टेटमेंट के मुताबिक, शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी पर जो भी आरोप लगाए हैं, वे झूठे, निराधार और मनगढ़ंत हैं। इन आरोपों का कोई सबूत नहीं है साथ ही शर्लिन ने ये सब पैसे की उगाही और राज-शिल्पा को बदनाम करने के लिए किया है।

शर्लिन के खिलाफ मुकदमे में ये भी बताया गया है कि शर्लिन ने अप्रैल के महीने में शिल्पा शेट्टी से कहा था कि उन्होंने जो शिकायत दर्ज करवाई थी वो झूठ है और वकील ने कहा था कि राज कुंद्रा के खिलाफ क्रिमिनल कम्प्लेंट लिखवा दो। साथ ही लिखा है कि शर्लिन ने शिल्पा को फोन करके कहा था कि वह खुद पर शर्मिंदा हैं और बिना किसी शर्त के शिकायत वापस ले लेंगी। राज और शिल्पा ने आरोप लगाया है कि शर्लिन ने पैसे उगाही की नीयत से 4 अक्टूबर को अपने वकील के जरिये 48,00,000 रुपये की मांग की थी।

गोलमाल अगेन में परिणीति चोपड़ा की मौत पर अजय देवगन को बेटे युग ने मारा था थप्पड़

अजय देवगन और परिणीति चोपड़ा रोहित शेट्टी की 2017 में आई हॉरर कॉमेडी गोलमाल अगेन में दिखाई दिए थे। फिल्म का सेकंड हाफ देखने के बाद उनके बेटे युग रोने लगे थे। अजय ने खुद इस मजेदार किस्से का खुलासा किया था। उस वक्त युग करीब 7 साल के रहे होंगे। अजय देवगन ने बताया कि उनको युग ने मार भी दिया था।

अजय देवगन सीरियस देखते हैं लेकिन उनकी कॉमेडी फिल्में फैन्स को काफी पसंद आती हैं। ऐसी ही एक फिल्म है गोलमाल अगेन। फिल्म हॉरर कॉमेडी है। इसमें परिणीति चोपड़ा की डेथ हो जाती है और उनकी आत्मा दिखाई गई है। अजय देवगन ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि परिणीति की मौत पर युग के आंसू नहीं रुक रहे थे।

अजय से फिल्म पर उनके परिवार का रिऐक्शन पूछा गया था। इस पर उन्होंने बॉलीवुड हंगामा को एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म देखकर घरवालों को खूब मजा आया था। उन्होंने काजोल और युग के रिऐक्शंस भी बताए थे। अजय ने कहा था, वे हर चीज पर खूब हंसे थे। काजोल का तो हंसना रुकता ही नहीं है। मेरा बेटा सेकंड हाफ में रोने लगा था। परिणीति के मरने पर उसने मुझे थप्पड़ भी मार दिया था। वह मेरी गोद में बैठा था। उसके आंसू बहे जा रहे थे। मैंने पूछ दिया कि क्या हुआ तो उसने मुझे मार दिया और बोला मुझे रोते हुए मत देखो। फिल्म गोलमाल को रोहित शेट्टी ने डायरेक्ट किया था। गोलमाल फ्रैंचाइजी की यह चौथी इंस्टॉलमेंट थी।

भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले से पहले रहाणे ने कहा, पिछला रिकॉर्ड कोई मायने नहीं रखता

दुबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 24 अक्टूबर को होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि विराट कोहली की टीम को बाबर आजम की टीम को हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'सीमित ओवरों के गेम में पिछला रिकॉर्ड कोई मायने नहीं रखता। इसलिए पाकिस्तान को हल्के में लेने की भूल भारतीय टीम न करें। ' भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने सभी विश्व कप मैच जीते हैं चाहे वह एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (7-0) हो या टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच (5-0)। हालांकि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड द्वारा हाल ही में अपनी श्रृंखला रद्द करने के बाद पाकिस्तान को टी20 मैच खेलकर तैयारी करने का मौका नहीं मिला। इसके अलावा, पाकिस्तान ने अपना अधिकांश अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पिछले कई वर्षों से यूएई में खेला है, जो 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए आतंकी हमले के मद्देनजर पाकिस्तान दौरा बंद करने के बाद यूएई उनका घरेलू मैदान बन गया है। रहाणे ने शुक्रवार को दुबई में सलाम क्रिकेट पर कहा, हमेशा इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि हम उस दिन एक टीम के रूप में कितना अच्छा कर सकते हैं। जब भी हम किसी भी टीम के खिलाफ खेलते हैं, तो पिछले रिकॉर्ड मायने नहीं रखते। हम हमेशा वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करते हैं, हमारी रणनीति, ताकत, परिस्थितियां कैसी होने चाहिए। इस पर हम ध्यान देते है। रहाणे ने कहा, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत का मैच अच्छा होगा।

सीमित ओवरों के गेम में पिछला रिकॉर्ड कोई मायने नहीं रखता। इसलिए पाकिस्तान को हल्के में लेने की भूल भारतीय टीम न करें:-अजिंक्य रहाणे

भारत बनाम पाकिस्तान है क्रिकेट की 'असली लड़ाई' : हेडन

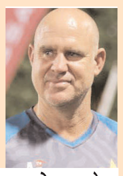

दुबई। पाकिस्तान के नए बल्लेबाज़ी सलाहकार मैथ्यू हेडन, बाबर आज़म को प्रमुख बल्लेबाज़ के रूप में देखते हैं, जो टी20 विश्व कप में हर किसी का निशाना बन सकते हैं। हेडन ने साथ ही कहा कि उनका 'नेतृत्व' संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की परिस्थितियों में एक मुख्य भूमिका निभा सकता है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि यह मैच एक 'असली लड़ाई' होगी और पाकिस्तान के कप्तान के पास ख़ुद को साबित करने का यह बेहतरीन मौक़ा होगा। हेडन ने कहा, 'बाबर न केवल नेतृत्व के मामले में बल्कि एक प्रमुख बल्लेबाज़ के रूप में भी टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि जैसा कि आपने आईपीएल के माध्यम से देखा है, यूएई में दो प्रमुख कप्तान एमएस धोनी एक तीन आईसीसी ट्रॉफ़ी का विजेता और इयोन मोर्गन एक विश्व कप विजेता थे। भले ही उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं था, जैसा कि वह उनके करियर के आंकड़े कहते हैं। हालांकि, जिस तरह से उन्होंने अपने खिलाड़ियों का नेतृत्व किया और ख़ुद का व्यवहार रखा, वह एक महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि जैसा कि मैंने बताया कि हम परिस्थितियों को देखकर भाग नहीं सकते हैं, यह एक असल लड़ाई है।' हेडन ने कहा, 'स्थितियां और गलतियां करने के लिए समय बहुत कम है और इसलिए अच्छा नेतृत्व महत्वपूर्ण होने जा रहा है। मुझे लगता है कि बाबर के पास वह है और वह कप्तान की भूमिका को अच्छे से संभाल सकते हैं।

'बाबर न केवल नेतृत्व के मामले में बल्कि एक प्रमुख बल्लेबाज़ के रूप में भी टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं:-हेडन, नए बल्लेबाज़ी सलाहकार, पाकिस्तान

राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में भिड़ेंगे 100 भाला फेंक एथलीट

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश भर के करीब 100 भाला फेंक एथलीट यहां सप्ताहांत में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाली भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की तीसरी राष्ट्रीय ओपन भाला फेंक चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रतियोगिता आठ श्रेणियों में आयोजित होगी। एएफआई के अध्यक्ष एडिले जे सुमारिवाला ने एक बयान में कहा, 'इस साल की शुरुआत में ओलंपिक खेलों में नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक ने युवाओं में भाला फेंक में दिलचस्पी बढ़ाई है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अधिक प्रविष्टियों को इससे परिभाषित करना जल्दबाजी होगी, खासकर ऐसे समय में जब कोरोना महामारी ने एथलीटों के लिए प्रशिक्षण करना मुश्किल बना दिया है। इस साल की शुरुआत में गुवाहाटी में राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप में भाला फेंक स्पर्धाओं की तुलना में यहां अंडर-18 और अंडर-16 श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करने वाले अधिक लड़के और लड़कियां हैं। यह जानकर खुशी हो रही है कि अधिक से अधिक युवा एथलेटिक्स की ओर आकर्षित हो रहे हैं और देश में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। हमारे सभी एथलीटों को गुणवत्तापूर्ण प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्रदान करना और उन्हें वेब पर लाइव स्ट्रीम करना एएफआई का प्रयास रहा है।

नई आईपीएल टीम के लिए बोली लगा सकते हैं रणवीर और दीपिका

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2022 सीजन में प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए 10 टीमों का मुकाबला होना तय है और बॉलीवुड की सुपरस्टार जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के दो नई टीमों के लिए बोली लगाने की जंग में शामिल होने की संभावना है। 2022 सीजन में दो नई फ्रेंचाइजी का होना तय है, जिससे टीमों की संख्या आठ से बढ़कर 10 हो जाएगी। आईपीएल संचालन निकाय ने आगामी सत्र के लिए दो नई टीमों के अधिकार हासिल करने के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। जैसे-जैसे घोषणा की तारीख दिन-ब-दिन करीब आती जा रही है, दुनिया के कई बड़े दिग्गजों ने टीमों के लिए बोली लगाने में दिलचस्पी दिखाई है। खबरों के मुताबिक, बॉलीवुड सुपरस्टार जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक टीम के मालिक होने की दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिससे पता चलता है कि टीमों के मालिक होने की दौड़ अब पहले से कहीं ज्यादा बड़ी हो चुकी है। वर्तमान में, अदानी समूह, आरपी-संजीव गोयनका समूह और ग्लेजर परिवार नई टीमों के मालिक बनने की दौड़ में हैं। रुचि दिखाने वाले अन्य बोलीदाताओं के नाम टोरेंट फार्मा और अरबिंदो फार्मा जैसी फार्मा कंपनियां हैं। सिंगापुर स्थित एक निजी इक्विटी फर्म और अमेरिका स्थित उद्यम पूंजीपतियों ने भी रुचि दिखाई है, जबकि नवीन जिंदल (जिंदल पावर एंड स्टील) और उद्यमी रोनी स्क्रूवाला के भी इसमें शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। परिणाम दुबई में 25 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे, जो अब तक के सबसे प्रतीक्षित क्रिकेट मैच के एक दिन बाद घोषित होंगे, जब भारत बनाम पाकिस्तान के बीच आईसीसी विश्व टी-20 का महामुकाबला होगा। आईपीएल दुनिया की सबसे आकर्षक टी-20 क्रिकेट लीग है और हर कोई बेहद सफल लीग का हिस्सा बनना चाहता है।

■ दुनिया के कई बड़े दिग्गजों ने टीमों के लिए बोली लगाने में दिलचस्पी दिखाई

ओपनिंग मैच में शानदार शुरुआत करना चाहेंगे ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका

अबू धाबी, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्रुप एक की दो मजबूत टीमों ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ यहां कल से आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 का आगाज होगा। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में दोपहर साढ़े तीन बजे शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच में दोनों टीमें शानदार शुरुआत करना चाहेंगी, जो उन्हें पूरे टूर्नामेंट के दौरान लय प्रदान करेगी। दोनों टीमों की तैयारियों की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने बीते दिनों अफगानिस्तान और पाकिस्तान के खिलाफ खेले अपने दोनों अभ्यास मैच जीते हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी, जबकि भारत के खिलाफ उसे हार का सामना किया था। दोनों टीमें के लिए सही संतुलन के साथ मैदान पर उतरना महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि दोनों ही टीमों को यूएई की पिचों पर खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए फिलहाल सबसे बड़ी समस्या अनुभवी ओपनर डेविड वार्नर का आउट ऑफ फॉर्म होना है, जिनका इस वर्ष आईपीएल सीजन भी अच्छी नहीं रहा है। वार्नर न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में जहां शून्य, वहीं भारत के खिलाफ एक रन पर आउट हो गए थे, हालांकि अच्छी बात यह है कि ग्लेन मैक्सवेल अच्छे फॉर्म में हैं। भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्होंने 37 रन की अच्छी पारी खेली थी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के लगभग सभी बल्लेबाजों और गेंदबाजों का फॉर्म में होना उसके लिए टूर्नामेंट में अंत तक जाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। कप्तान तेम्बा बावुमा सहित एडन मारक्रम, डेविड मिलर, हेनरिक क्लासेन और रैसी वान डेर डुसेन अच्छा खेल रहे हैं।

आयरलैंड पर शानदार जीत से नामीबिया सुपर 12 में

शारजाह, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। कप्तान गेरहार्ड इरास्मस की नाबाद 53 रन की शानदार पारी से नामीबिया ने आयरलैंड को शुक्रवार को आठ विकेट से पीटकर ग्रुप ए क्वालिफाइंग मैच से आईसीसी टी 20 विश्व कप के मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना ली।

नामीबिया ने पहले अपने गेंदबाजों के लाजवाब प्रदर्शन से आयरलैंड को मुकाबले में शुक्रवार को 20 ओवर में आठ विकेट पर 125 रन पर रोक दिया और फिर 18.3 ओवर में दो विकेट पर 126 रन बनाकर दूसरी जीत हासिल की और सुपर 12 में पहुंच गया। इरास्मस ने कप्तानी पारी खेलते हुए 49 गेंदों पर नाबाद 53 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें डेविड वीस से अच्छा सहयोग मिला। वीस ने 14 गेंदों पर नाबाद 28 रन में एक चौका और दो छक्के लगाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की। ओपनर क्रैग विलियम्स ने 16 गेंदों पर तीन चौकों के सहारे 15 रन और जेन ग्रीन ने 32 गेंदों पर 24 रन बनाये।

आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 62 रन की जोरदार शुरुआत की लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद आयरलैंड के बल्लेबाजों को नामीबिया की सधी हुई गेंदबाजी के सामने संघर्ष करना पड़ा। ओपनर पॉल स्टर्लिंग ने 24 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 38 रन बनाये। केविन ओब्रायन ने 24 गेंदों में दो चौकों की मदद से 25 रन और कप्तान एंडी बालबिर्नी ने 28 गेंदों में दो चौकों के सहारे 21 रन बनाये। इसके बाद कोई भी बल्लेबाज दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सका।

नामीबिया की तरफ से यान फ्रीलिंक ने चार ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट हासिल किये। डेविड वीसा को चार ओवर में 22 रन पर दो विकेट मिले। आयरलैंड की टीम नामीबिया की शानदार गेंदबाजी के चलते तीन विकेट पर 94 रन से 125 तक ही पहुंच सकी।

महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी के दूसरे दिन दूसरे दौर में पहुंचीं जैस्मीन, बासुमतारी

हिसार (हरियाणा), 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली जैस्मीन और गत चैंपियन असम की पविलाओ बसुमतारी ने हरियाणा के हिसार में सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल में चल रही 5वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन शुक्रवार को 60 किग्रा भार वर्ग में जीत हासिल किया।

हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए, जैस्मीन ने अपने शुरुआती दौर के मुकाबले में छत्तीसगढ़ की राजबाला को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया, जबकि बासुमतारी ने कर्नाटक की थीर्थ लक्ष्मी के खिलाफ पावर बॉक्सिंग और फुर्तीला प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। जैस्मीन ने जहां बार-बार अपने प्रतिद्वंद्वी के हर फैसले को गलत साबित किया वही बासुमतारी ने मुकाबला शुरू होने के साथ ताबड़तोड़ मुक्के बरसाने शुरू किए। थीर्था लक्ष्मी के खिलाफ उनके मुक्के इतने जबरदस्त थे कि रेफरी को मुकाबला बीच में ही रोकना पड़ा और उन्हें विजेता घोषित किया।

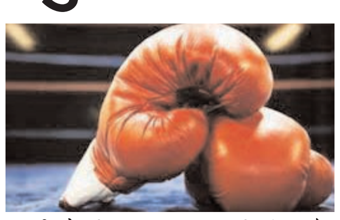

इस प्रतिष्ठित आयोजन के दूसरे दिन 49 मुकाबलों का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तथा बोर्डों के 320 से अधिक मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं टूर्नामेंट की मेजबानी बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा बॉक्सिंग संघ द्वारा की जा रही है। गुजरात की हरदीक कौर गिल (60 किग्रा) ने भी लद्दाख की रिग्जेन त्सोमो के खिलाफ एकतरफा अंदाज में 5-0 से जीत हासिल करने के लिए एक साफ-सुथरा प्रदर्शन किया।

हमें अंडर-23 टीम में सही संतुलन ढूंढने की जरूरत : स्टिमैक

दुबई, 22 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगर स्टिमैक ने एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर के रविवार को ओमान के खिलाफ भारतीय टीम के पहले मैच से पूर्व कहा कि उन्होंने अपने खिलाड़ियों से सतर्क रहने और प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सही संतुलन खोजने के लिए शांत रहने के लिए कहा है।

स्टिमैक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'हर देश के पास प्रतिभावान खिलाड़ी हैं और उनके अंडर-23 खिलाड़ी पहले से ही अपने-अपने देशों के लिए सीनियर लेवल पर खेल रहे हैं, इसलिए हम भी ऐसा कर रहे हैं, लेकिन हमें टीम में सही संतुलन ढूंढने की जरूरत है। कोच ने कहा, हमारे लिए अच्छी बात यह है कि हमारे पास यहां पहले ही उच्च स्तरीय खिलाड़ियों के समूह के काफी खिलाड़ी हैं जो राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं और यहां के मौसम और प्रशंसकों की अपेक्षाओं को अच्छे से जानते हैं। हमेशा की तरह हमारा मकसद मैदान पर जाना और हर मैच जीतना है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर होगा कि हम विपक्षी टीमों की ताकत की जानकारी के आधार पर किस तरीके का रवैया अपनाते हैं।

भारत की 23 सदस्यीय टीम

गोलकीपर : धीरज सिंह, प्रभसुखन सिंह गिल, मोहम्मद नवाज।
डिफेंडर : नरेंद्र गहलोत, एलेक्स शाजी, होरमीपम रुईवाह, आशीष राय, सुमीत राठी, आकाश मिश्रा।
मिडफील्डर : सुरेश सिंह, अमरजीत सिंह, लालेंग्माविया राल्ते, जीक्सन सिंह, दीपक टंगड़ी, राहुल केपी, कोमल थाटल , निखिल राज, ब्राइस मिरांडा, प्रिंसटन रेबेलो।
फॉरवर्ड : विक्रम प्रताप सिंह, रहीम अली, रोहित दानु, अनिकेत जाधव।

विराट व रोहित पर हैं भारत की टी-20 विश्व कप जीतने की उम्मीदें

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर **(एजेंसी)।** विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों ही टी 20 क्रिकेट में भारत ही नहीं दुनिया के दो सबसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं। भारत टी-20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को दुबई में मैच से करेगा। यह टी-20 विश्व कप विराट का भारत के कप्तान के रूप में आखिरी टूर्नामेंट होगा। 2007 में पहले टी-20 विश्व कप के विजेता भारत की दूसरी बार खिताब जीतने की उम्मीदें विराट और रोहित शर्मा पर टिकी हैं। विराट कोहली ने अपनी कप्तानी में अब तक भले अब तक भारत को कोई आईसीसी क्रिकेट ट्रॉफी नहीं जिताई हो लेकिन निर्विवाद रूप से वह आज भी उपकप्तान रोहित शर्मा के साथ खासतौर पर टी-20 में भारत के बसे बड़े मैच विनर है।

भारत के लिए पिछले लगातार तीन आईसीसी टी-20 विश्व कपों में मात्र 16 मैच खेलकर सबसे ज्यादा कुल 777 रन विराट ने बनाए ही है और इसके इतिहास में रन बनाने में चौथे नंबर पर हैं। टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा नौ अर्द्धशतक भी विराट के नाम हैं। वहीं अपना लगातार सातवां टी-20 विश्व कप खेलने जा रहे रोहित शर्मा अब तक इसके सभी शुरू के छह संस्करणों में खेलकर 28 मैच खेलकर छह अर्द्धशतकों सहित कुल 673 रन बनाकर विराट के बाद भारत के लिए दूसरे और इतिहास में रन बनाने में छठे नंबर पर है। भले विराट ने अब तक भारत के लिए कुल 90 टी-20 मैच खेल कर 28 अर्द्धशतकों सहित 3159 रन बनाए हैं। विराट ने इनमें से आधे यानी 45 में कप्तानी कर उसे 29 में जीत दिलाई है और मात्र 14 हारे हैं जबकि दो बेनतीजा रहे हैं। वहीं रोहित शर्मा ने भारत के लिए अब तक 111 टी-20 मैच खेल कर 2864 रन बनाए हैं। रोहित ने भारत की 19 टी-20 मैचों में कप्तानी की 15 जीते और चार हारे और कुल 712 रन बनाए। रोहित ने पहली बार 2017 में भारत की टी-20 में कप्तानी कर उसे श्रीलंका के खिलाफ 3-0से जीत दिलाई।

विराट को भारत के लिए पहले टी-20 शतक का इंतजार

विराट की कप्तानी में भारत ने पिछली लगातार पांच टी-20 सीरीज जीती हैं। भारत ने विराट की कप्तानी में 2019-20 में वेस्ट इंडीज को 2-1, श्रीलंका को 2-0 से, 2020-21 में इंग्लैंड को 3-2 से तथा 2019-20 में न्यूजीलैंड को उसके घर में 4-0 से तथा 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में 2-1 से हराया। विराट की कप्तानी में भारत ने 2017 से दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड,और वेस्ट इंडीज को उसके घर में हराकर में टी-20 सीरीज जरूर जीती। 2020 से विराट का 12 टेस्ट में औसत 26.8 रन का रहा । तीनों फॉर्मेट को मिलाकर और 53 पारियों से विराट भारत के लिए कोई शतक नहीं जमा पाए हैं। टेस्ट में 27 शतक और वन डे 43 शतक सहित कुल मिलाकर 70 अंतर्राष्ट्रीय शतक जमाने वाले विराट को भारत के लिए टी-20 में अपने पहले शतक का इंतजार है। विराट भारत के लिए 90 टी-20 मैच खेल 28 अर्द्धशतकों सहित 3159 रन बना चुके हैं। टी 20 में बतौर कप्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सबसे ज्यादा 12 अर्द्धशतक जमाने का रिकॉर्ड भी विराट के नाम है जबकि ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच, पाकिस्तान के बाबर आजम और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 11-11 अर्द्धशतक जमा कर संयुक्त रूप से विराट के बाद दूसरे स्थान पर हैं। विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय टी-20 में दुनिया के बेहतरीन चेजमास्टर हैं। अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में रनों का पीछा करते हुए 14 पारियों में विराट ने 95.85 की औसत से छह अर्द्धशतकों की मदद से कुल 671 रन बना भारत को जीत दिलाई है।

जरूरी है विराट और रोहित की जुगलबंदी खूब जमे

बेशक टी-20 विश्व कप भारत के पास ऋषभ पंत, केएल राहुल, सूर्य कुमार यादव , इशान किशन और हार्दिक पांडया के रूप में युवा ब्रिगेड है लेकिन उसे राह दिखाने के लिए जरूरी है मैदान पर विराट और रोहित की जुगलबंदी खूब जमे। सच तो यह है कि विराट और रोहित के बल्ला शुरू में गरजा तो फिर दुनिया के किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की बोलती बंद कर सकता है।

विराट कोहली का टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्ड

मैच	रन	औसत	स्ट्राइक रेट	सर्वोच्च स्कोर	50
90	3159	52.7	139.1	94 नॉआ.	28
बतौर कप्तान					
45	1502	48.45	143.18	94 नॉआ.	12
कप्तान न रहते हुए					
45	1657	57.1	135.5	94 नॉआ.	16
बतौर कप्तान हार जीत					
मैच	जीते	हारे	बेनतीजा		
45	29	14	2		
घर पर					
23	13	9	1		
घर से बाहर					
22	16	5	1		

■ टी-20 विश्व कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विराट के नाम

■ विराट के बाद रोहित भारत के लिए रन बनाने में दूसरे नंबर पर

भारत, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज का सेमीफाइनल दावा मजबूत

भारत सुपर 12 में ग्रुप दो में न्यूजीलैंड के साथ शीर्ष दो रहकर सेमीफाइनल में स्थान बनाने की मजबूत दावेदार है। भारत 2007 में धोनी की अगुआई में पहला टी-20 विश्व कप जीतने के बाद अगले लगातार तीन विश्व कपों में -2009 (इंग्लैंड), 2010(वेस्ट इंडीज) और 2012 (श्रीलंका) में- सुपर 8 से आगे नहीं बढ़ पाया। भारत ढाका में 2014 में फाइनल में श्रीलंका से छह विकेट और 2016 में अपने ही घर में मुंबई में सेमीफाइनल में वेस्ट इंडीज से छह विकेट से हार कर गया था। बावजूद इसके पिछले तीन टी-20 विश्व कपों और खासतौर पर जिस तरह विराट का बल्ला बोला है और उनके साथ रोहित भी रंग में हैं उससे भारत नाजुक क्षणों की गलतियों से बचा तो वह स्पिन की आईपीएल के बाद धीमी हो जाने वाली पिचों पर इस बार खिताब अपने नाम कर सकता है। भारत , अपनी पिछली लगातार चार टी-20 सीरीज के साथ हाल ही में पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली बहुपयोगी क्रिकेटरों से सज्जित न्यूजीलैंड, अपनी पिछली दस में आठ टी-20 सीरीज जीतने वाली इयॉन मॉर्गन की इंग्लैंड और सबसे ज्यादा दो बार अब खिताब जीत चुकी किरॉन पोलार्ड की अगुआई वाली वेस्ट इंडीज का सेमीफाइनल में स्थान बनाने की प्रबल दावेदार हैं।

संक्षिप्त समाचार

टिम पेन सर्जरी के बाद जल्द शुरू करेंगे एशेज की तैयारी

सिडनी। 8 दिसम्बर से शुरू होने वाले एशेज को लेकर ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान टिम पेन कहा कि वो अपनी चोट की सर्जरी के बाद डाक्टरों से खेलने की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। उनकी गर्दन की एक नस में आई दिक्कत के बाद सर्जरी की गई थी। अब वह ठीक महसूस कर रहे है। वह अपनी टीम के साथ जल्द से जल्द ट्रेनिंग शुरू करना चाहते है। बता दें कि एशेज का पहला टेस्ट मैच ब्रिस्बेन में खेला जाएगा। हाल ही में इंग्लैंड के दौरे पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी के बाद विवादों में घिरे पेन को उम्मीद है कि हल्की ट्रेनिंग के बाद वह तस्मानिया के साथ मैच खेल सकेंगे। उन्होंने शुक्रवार को सेन से कहा, गेंदबाजी मशीन पर (21 अक्टूबर को) मुझे थोड़ा झटका लगा था। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा, आने वाले मंगलवार सर्जरी के छह हफ्ते हो जाएंगे और मुझे अभी खेलने अभी दिक्कत हो रही है, क्योंकि विकेटकीपिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

डेविड वार्नर का शेन वॉर्न ने किया समर्थन, बोले- उनको टीम से बाहर करना सही नहीं

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के ऑपनर बल्लेबाज डेविड वार्नर अपने खराब फॉर्म से गुजर रहे है। इस क्रम में उनको लेकर कयास लगाए जा रहे है कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के पहले मैच में टीम से बाहर बिठाया जा सकता है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिन शेन वॉर्न ने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें 23 अक्टूबर को आईसीसी टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पहले मैच के लिए टीम से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया, जिसने दुनिया के सबसे मजबूत टीमों से एक होने के बावजूद कभी टी 20 विश्व कप नहीं जीता है, शनिवार को अबू धाबी में 'सुपर 12' ग्रुप 1 मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मैच खेलने जा रही है। डेविड वार्नर पिछले एक साल से खराब फॉर्म से गुजर रहे है। उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ, जिसमें से वह पहले फेस के दौरान कप्तान थे, जिसके कारण उनकी टीम अंतिम स्थान पर रही।

अमेच्योर अवनि ने जीता सत्र का दूसरा खिताब

पंचकूला। अमेच्योर अवनि प्रशांत ने अनुभवी अमनदीप द्राल की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए शुक्रवार को हीरो महिला गोल्फ टूर का 11वां चरण एक शॉट के अंतर से जीत लिया। पंचकूला गोल्फ क्लब में अवनि और अमनदीप ने पार राउंड खेले जिससे अवनि ने दो अंडर 214 के स्कोर के साथ जीत हासिल की जबकि अमनदीप एक अंडर 215 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। तीन खिलाड़ियों प्रणवी उर्स (76), जाह्नवी बक्शी (73) और वाणी कपूर (73) चार ओवर 219 के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहीं जबकि सेहर अटवाल (75) को 221 के स्कोर के साथ छठा और रिया झा (73) को सातवां स्थान मिला।